राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 06, अंक 316 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, मंगलवार 07 जनवरी 2025 www.samaydarshan.in

बीजापुर में नक्सलियों की कायराना हरकत

जवानों के वाहन पर किया आईईडी ब्लास्ट, नौ जवान शहीद

बीजापुर (समय दर्शन)। बीजापुर के कुटरू मार्ग में नक्सलियों ने जवानों के वाहन पर आईईडी ब्लास्ट किया है। हादसे में नौ जवान बलिदान हो गए हैं। वहीं कई जवान घायल बताए जा रहे हैं। वाहन में कुल कितने जवान सवार थे इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि जवान नक्सल ऑपरेशन से वापस लौट रहे थे इस दौरान कुटरु मार्ग में नक्सलियों ने घात लगाकर आईईडी ब्लास्ट किया है। छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सल ऑपरेशन से नक्सली बौखलाए हुए हैं जिसके चलते नक्सलियों ने जवानों को निशाना बनाया है।

बस्तर आईजीपी सुंदरराज पी. ने नौ जवानों के बलिदान होने की पुष्टि कर दी है। इस हमले में घायल जवानों को घटनास्थल से निकाला जा रहा है। घटनास्थल पर रेस्क्यू जारी है। पिकअप में डीआरजी के कई जवान सवार थे। बताया जा रहा है कि लगभग तीन किलो का आईईडी विस्फोटक था जिससे वाहन के परखच्चे उड़ गए।

मिली जानकारी के मुताबिक जवान पंखाजूर में नक्सल ऑपरेशन को अंजाम देने के बाद वहां से वापस लौट रहे थे। फोर्स ने पखांजूर ऑपरेशन में रविवार को पांच नक्सलियों को ढेर कर दिया था। इसके बाद आज जवान वापस लौट रहे थे। इस दौरान नक्सलियों ने घात लगाकर आईईडी विस्फोट कर वाहन को उड़ा दिया। मिली जानकारी के मुताबिक आठ जवान गंभीर रूप से घायल हैं। घायल जवानों को विमान से बस्तर लाया जाएगा इसके बाद वहां से रायपुर लाने की तैयारी है। घायल जवानों और बलिदान हुए जवानों की संख्या बढ़ भी सकती है। छह से ज्यादा वाहनों में अतिरिक्त बल मौके पर भेजा गया। दंतेवाड़ा से अतिरिक्त बल रवाना किया गया है।

आईजी पी. सुंदरराज ने दी जानकारी

बस्तर आईजी पी. सुंदरराज ने बीजापुर आईईडी विस्फोट पर कहा कि दंतेवाड़ा, बीजापुर और नारायणपुर जिलों के सीमावर्ती इलाकों में तीन दिनों से नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था जिसमें पांच माओवादियों के शव मिले और हमारा एक जवान बलिदान हो गया। इसके बाद जब हमारी टीम वापस लौट रही थी तो बीजापुर जिले के अंबेली इलाके में माओवादियों ने एक आईईडी लगाया था, जिसकी चपेट में हमारे सुरक्षाबलों का एक वाहन आ गया, जिसमें आठ जवान और एक ड्राइवर बलिदान हो गए।

सीएम साय ने जताया दुख

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बीजापुर में नक्सली हमले की निंदा करते हुए शोक जताया है। महासमुंद में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम साय समेत मौजूद सभी लोगों ने मौन रखकर श्रद्धांजलि दी है।

'जवानों की शहादत जाया नहीं जाएगी'

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बीजापुर आईईडी विस्फोट पर कहा कि नक्सलियों की कायराना हरकत की जानकारी आई है। यह नक्सलियों की कायराना हरकत है। यह हताशा, निराशा में की गई कार्रवाई है। इन जवानों की शहादत ज़ाया नहीं जाएगी और बहुत जल्द छत्तीसगढ़, बस्तर नक्सल मुक्त होगा।

जनता की अनदेखी कर 'शीशमहल' बनवाया, दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले 'सामना' में केजरीवाल पर कड़ी टिप्पणी

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) ने अपने संपादकीय 'सामान' में दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। 'सामना' में कहा गया है कि केजरीवाल ने दिल्ली की जनता के हितों पर कुठाराघात किया है। केजरीवाल ने मुख्यमंत्री रहते हुए जनता के हितों की अनदेखी करते हुए अपने लिए करोड़ों का शीशमहल बनवा लिया, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।'सामना' में कहा गया है कि केजरीवाल सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल साबित हुई। उन्होंने दिल्ली की जनता को जो सुविधाएं देने का दावा और वादा मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज होने से पहले किया था। बड़े अफसोस की बात है कि वो उन दावों और वादों को पूरा करने में विफल साबित हुए और दिल्ली की जनता यह सबकुछ देख रही है।

इतना ही नहीं, 'सामना' के संपादकीय में दिल्ली के विधानसभा चुनाव की तुलना मौत से की गई है। कहा गया है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव अब दोनों पार्टियों के लिए जिंदगी और मौत का खेल बन चुका है। ऐसी स्थिति में यह देखना दिलचस्प रहेगा कि दिल्ली की राजनीति की दिशा व दशा कैसी रहती है।

'सामना' ने अपने संपादकीय में कहा है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने मिलकर लड़ा था। लेकिन, अब दिल्ली का विधानसभा चुनाव दोनों ही पार्टियां फ्रीस्टाइल कुश्ती के तौर पर लड़ रही है।

बता दें कि फरवरी में दिल्ली विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। ऐसे में अभी से ही दोनों पार्टियां चुनाव प्रचार में जुट गई है। दिल्ली की राजनीति में मुख्य मुकाबला सत्ताधारी दल आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच माना जा रहा है।

बता दें कि इससे पहले उद्धव ठाकरे गुट के शिवसेना ने अपने संपादकीय 'सामना' में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ करके प्रदेश की राजनीतिक में कई बड़े संकेत दे दिए थे।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या मामले में सुरेश चंद्राकर गिरफ्तार

बीजापुर (समय दर्शन)। बीजापुर जिले में हुए पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्याकांड मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसआईटी टीम ने इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेश चंद्राकर को देर रात हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल एसआईटी टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। जिले के पुलिस अधीक्षक बीजापुर खुद उसकी गिरफ्तारी पुष्टि की है। पुलिस ने 3 आरोपी दिनेश, रितेश चंद्राकर और महेंद्र रामटेके को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। ज्ञात हो कि पत्रकार मुकेश चंद्राकर 1 जनवरी 2025 को शाम 7 बजे से घर से लापता थे। अगले दिन 2 जनवरी को उनके भाई युकेश ने रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस लगातार मुकेश का फोन ट्रेस कर रही थी। फोन बंद था, लेकिन लास्ट लोकेशन आसपास दिख रही थी। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए, जिसमें अंतिम बार मुकेश टी-शर्ट और शॉर्ट्स में दिखे।

बिसाखा का सपना हुआ पूरा, बन गया पक्का मकान

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग जिले के जरवाय निवासी बिसाखा बाई का पक्के मकान का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मोर जमीन, मोर मकान अंतर्गत पूरा हो गया है। पहले इनका मकान कच्चा था, कच्चे मकान में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, वहीं बारिश के दिनों में पानी भी टपकते रहता था। बिसाखा के पति जितेन्द्र निषाद टेलरिंग का कार्य करते हैं और बिसाखा बाई पति के कार्य में हाथ बताती है। पारिवारिक आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण पक्के मकान बनाना इनके लिए एक सपना था। ऐसे में इन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मोर जमीन, मोर मकान के बारे में जानकारी मिली। बिसाखा बाई ने निगम कार्यालय चरोदा में मकान बनाने हेतु अपना आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन की स्वीकृति उपरान्त उन्हें चार किश्तों में राशि स्वीकृत की गई। जिसमें डेढ़ लाख रूपए केन्द्रीय अनुदान और 74 हजार रूपए राज्य अनुदान दी गई। जिसमें बिसाखा बाई ने स्वयं की राशि लगाकर अपने कच्चे मकान को तोड़कर पक्के मकान बनाने में कामयाबी हासिल की। आज इनका परिवार स्वयं द्वारा निर्मित सर्वसुविधायुक्त पक्के आवास में आनंदपूर्वक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। बिसाखा बाई का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना की हम जैसे गरीबों को पक्के छत उपलब्ध कराया हैं। जो कभी हमने सपने में नहीं सोचे थे। उन्होंने अब इस उपलब्धि के लिए शासन-प्रशासन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया हैं।

पीएम ने दी रेल परियोजनाओं की सौगात

जम्मू रेल मंडल और तेलंगाना में टर्मिनल स्टेशन का किया शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये रेल परियोजनाओं की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने जम्मू रेलवे डिवीजन का शुभारंभ किया। साथ ही तेलंगाना में चार्लापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया। इसके अलावा पूर्वी तट रेलवे के रायगडा रेलवे डिवीजन भवन की आधारशिला रखी।

पीएम मोदी ने कहा कि 2025 की शुरुआत से ही भारत कनेक्टिविटी की तेज रफ्तार बनाए हुए है। मैंने कल दिल्ली ह्यष्ट्रक में 'नमो भारत' ट्रेन का शानदार अनुभव लिया और

दिल्ली मेट्रो की अहम परियोजनाओं की शुरुआत की। कल भारत ने बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हमारे देश में अब मेट्रो नेटवर्क एक हजार किलोमीटर से ज्यादा का हो गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि 2-3 दिन पहले मैं एक वीडियो देख रहा था इसमें वंदे भारत ट्रेन का नया स्लीपर वर्जन ट्रायल में 180 किमी/घंटा की गति से चल रहा था। यह न केवल मुझे अच्छा लग रहा है, बल्कि निश्चित रूप से सभी को अच्छा लगा होगा। यह तो बस शुरुआत है। वह समय दूर नहीं जब देश में पहली बुलेट ट्रेन चलेगी।

उन्होंने कहा कि हमने देखा है, पिछला एक दशक भारतीय रेलवे के ऐतिहासिक परिवर्तन का रहा है। रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में एक बदलाव आया है। इससे देश की छवि बदली है और देशवासियों का मनोबल भी बढ़ा है। भारत में रेलवे के विकास को हम चार पैरामीटर्स पर आगे बढ़ा रहे हैं। इसमें पहला रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण, दूसरा रेलवे के यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं, तीसरा रेलवे की देश के कोने-कोने में कनेक्टिविटी और चौथा रेलवे से रोजगार का निर्माण, उद्योगों को सहयोग शामिल है।

पीएम मोदी ने कहा कि बीते 10 साल में रेल कनेक्टिविटी का भी अद्भुत विस्तार हुआ है। 2014 तक देश में सिर्फ 35 प्रतिशत रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था। आज भारत रेल लाइनों के शत-प्रतिशत विद्युतीकरण के करीब है।

रमेश बिधूड़ी मेरे बुजुर्ग पिता को दे रहे हैं गालियां- सीएम आतिशी

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री आतिशी के निकले आंसू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। इसी बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान रोते हुए रमेश बिधूड़ी पर आरोप लगाया कि वह उनके बुजुर्ग पिता को लगातार गालियां दे रहे हैं और वोट मांग रहे हैं। उन्हें दिल्ली की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

आतिशी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते-बोलते भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी उनके पिताजी को गालियां देकर दिल्ली की जनता का अपमान कर रहे हैं। बिधूड़ी जी अपने काम के आधार पर वोट मांगें, वह मेरे बुजुर्ग पिताजी को गालियां देकर क्यों वोट मांग रहे हैं?

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मीडिया से बातचीत के दौरान अचानक कैमरे के सामने रोने लगीं। आतिशी की भावुक तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आतिशी से सवाल पूछा गया कि कालकाजी से भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने उन पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। यह सवाल सुनने के बाद आतिशी की आंखों में आंसू आ गए।आतिशी ने रोते हुए चुप्पी साध ली। कुछ देर बाद आतिशी ने खुद को संभाला और फिर रमेश बिधूड़ी पर पलटवार किया। आतिशी ने कहा कि मेरे पिता काफी बुजुर्ग हो गए हैं। वह चल फिर नहीं पाते। मैं रमेश बिधूड़ी जी को कहना चाहूंगी कि मेरे पिताजी जिंदगी भर शिक्षक रहे। उन्होंने दिल्ली के गरीब और लोअर मिडल क्लास से आने वाले हजारों बच्चों को पढ़ाया है। आज वो 80 साल के हो गए हैं। इसके बाद आतिशी रोने लगीं और उन्होंने अपने आप को संभाला। फिर कहा कि वह इतने बीमार रहते हैं कि बिना सहारे के चल नहीं पाते हैं।

उन्होंने कहा कि आप चुनाव के लिए इतनी घटिया हरकत करेंगे कि बुजुर्गों को गालियां देने पर उतर आएंगे। इस देश की राजनीति इतनी घटिया स्तर पर गिर सकती है। मैं यह सोच नहीं सकती।

उन्होंने कहा कि रमेश बिधूड़ी जी खुद दक्षिण दिल्ली से 10 साल सांसद रहे। वह बताएं कि कालकाजी के लोगों को, उन्होंने इस इलाके के लिए क्या किया। वह जनता से कहें कि उनके 10 साल का काम मेरे 5 साल के काम से ज्यादा अच्छा था।

उन्होंने कहा कि अगर मैंने 100 सीसीटीवी लगाए तो वो बताएं कि उन्होंने 1,000 सीसीटीवी लगवाए हैं।

मुख्यमंत्री ने जांजगीर में अत्याधुनिक स्टुडियो का किया शुभारंभ

हसदेव क्रिएटर्स हब से युवाओं को मिलेगा ग्लोबल मंच: मुख्यमंत्री साय

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, क्रिएटर्स व गायकों के सपनो को मिलेगी नई ऊचाईयां

मुख्यमंत्री ने जांजगीर में अत्याधुनिक स्टुडियो का किया शुभारंभ

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। नए साल में जांजगीर चांपा क्षेत्र के युवाओं को उनकी रचनात्मकता को निखारने के लिए ग्लोबल मंच मिल गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जांजगीर में हसदेव क्रिएटर हब का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमार्ट परिसर में

स्थापित इस अत्याधुनिक स्टूडियो से सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, क्रिएटर्स व गायकों को अपनी सृजनशीलता और रचनात्मकता को देश-दुनिया के सामने लाने और उसे निखारने का ग्लोबल मंच मिलेगा। इस मौके पर उन्होंने स्टूडियो में पॉडकास्ट के माध्यम से इंटरव्यू भी दिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि युवाओं के उमंग और उत्साह को देखकर मैं भी उत्साहित हूं। उन्होंने कहा कि पहले इस कार्य के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है और बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती थी।

अब इस स्टूडियो के बन जाने से युवाओं को अपनी क्रिएटीविटी को सबके सामने लाने के लिए काफी सुविधा होगी। यहां रिकार्डिंग के लिए अत्याधुनिक उपकरण और साफ्टवेयर हैं। इस अवसर पर सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व विधायक सौरभ सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कंटेंट क्रिएटर्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, यूट्यूबर्स उपस्थित थे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टोरेट परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय परिसर पर महात्मा गांधी की प्रतिमा के समीप चरखा भी चलाया। इसके साथ ही उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा के समीप एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रूद्राक्ष के पौधे का रोपण किया।

भारत में एचएमपीवी वायरस का तीसरा केस मिला

अहमदाबाद। चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। भारत में भी एचएमपीवी वायरस के मामले सामने आने लगे हैं। बेंगलुरु के बाद गुजरात के अहमदाबाद में 2 महीने के बच्चे की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बच्चे का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।भारत में अब तक एचएमपीवी वायरस के तीन मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से दो कर्नाटक में और अब एक मामला गुजरात के अहमदाबाद से सामने आया है। बच्चे में सर्दी और बुखार के लक्षण हैं। निजी अस्पताल की एक लैब के अनुसार, बच्चे की एचएमवीपी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बच्चा मोडासा के नजदीक एक गांव का रहने वाला है।

घर में मृत मिले एक ही परिवार से 4 सदस्य, मरने वालों में दो मासूम की शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटी सिटी बेंगलुरु में एक दुखद घटना सामने आई है जहाँ एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव उनके किराये के मकान में बरामद हुए हैं। यह घटना शहर के सदाशिवनगर पुलिस थाने के अंतर्गत एक इलाके में हुई। मृतकों में दो छोटे बच्चे भी शामिल हैं, जिनकी उम्र 5 और 2 साल है।

यह परिवार सुबह ही मृत पाया गया, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल, उनकी मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है और पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। बेंगलुरु सिटी सेंट्रल के डीसीपी शेखर एच टेकनवर के अनुसार, मृत पाया गया परिवार उत्तर प्रदेश के प्रयागराज (इलाहाबाद) का रहने वाला है। पुलिस मृतकों के बारे में और जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

इस दुखद घटना में जिन लोगों की जान गई, उनकी पहचान इस प्रकार है- अनुप कुमार, 38 वर्ष के थे और बेंगलुरु में एक निजी फर्म में काम करते थे। उनकी पत्नी राखी, 35 वर्ष की थीं। उनके अलावा, उनकी एक 5 वर्षीय बेटी और एक 2 वर्षीय बेटे की भी इस घटना में मृत्यु हो गई।

अनुप कुमार मूल रूप से इलाहाबाद के रहने वाले थे और बेंगलुरु में एक कंसल्टिंग फर्म में नौकरी करते थे। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जाँच में मौत का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है।

संक्षिप्त समाचार

धान खरीदी में किसानों की मेहनत पर डंडी मारी जा रही है, आप पार्टी ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पाटन। पाटन ब्लॉक के सेवा सहकारी समितियों में धान खरीदी के नाम पर प्रतिदिन किसानों की मेहनत पर डंडी मार रहे है। इस पर रोक लगाने के लिए आप पार्टी के पदाधिकारियों ने एसडीएम पाटन को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया है कि सरकार द्वारा समर्थन मूल्य में धान खरीदी किया जा रहा है उन सभी छत्तीसगढ़ के सभी धान खरीदी केंद्रों में प्रतिदिन हजारों रुपए का धान किसानों से मानक वजन से कहीं पर 1 किलो या और कहीं पर 2 किलो अधिक धान खरीद कर किसानों को बेवकूफ बना कर प्रति दिन करोड़ों रुपए का स्कैन चलाया जा रहा है। जिनकी शिकायत सैकडो किसानों के द्वारा आप पार्टी के पदाधिकारियों से किया गया। इसकी जानकारी शासन प्रशासन को दिया गया लेकिन शासन प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का अब तक कोई राहत नहीं मिल पाया है। इस संबंध सोमवार को आम आदमी पार्टी के द्वारा एसडीएम पाटन को ज्ञापन सोपा गया । जिसकी अगवाई दुर्ग लोकसभा उपाध्यक्ष एवं पाटन विधानसभा अध्यक्ष अजय चंद्राकर द्वारा किया गया। जिसमें आम आदमी पार्टी के अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे। संगठन मंत्री हिमांशु चंद्राकर, नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष मनीष वर्मा, सचिव दीपिका यादव, पाटन तहसील अध्यक्ष पवित्र कोसले, कुम्हारी पालिका अध्यक्ष राजेश बंछोर ,अमलेश्वर पालिका अध्यक्ष चैतन्य धर दीवान एवं जामगांव उप तहसील अध्यक्ष तुषांत टंडन शामिल रहे।

आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल पाटन के खिलाड़ी चैतन्य राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु चयनित

पाटन। दाऊ रामचंद्र साहू स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पाटन के खिलाड़ी चैतन्य साहू कक्षा 7वीं का चयन राष्ट्रीय खो खो प्रतियोगिता सब जूनियर के लिए हुआ है। स्कूल के पीटीआई हेमंत बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि विकासखंड प्रतियोगिता झीट, जिला स्तरीय प्रतियोगिता पुरई में, संभाग स्तरीय प्रतियोगिता खैरागढ़ में तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता महासमुन्द में आयोजित हुआ। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर चैतन्य साहू ने छत्तीसगढ़ की सब जूनियर शालेय खो खो टीम में जगह बनाया। राष्ट्रीय खो खो प्रतियोगिता कोल्हापुर महाराष्ट्र में 10 जनवरी से 13 जनवरी तक आयोजित है वर्तमान में चैतन्य साहू महासमुन्द में आयोजित खो खो प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे है और 7 जनवरी को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए महाराष्ट्र रवाना होंगे। चैतन्य के इस उपलब्धि पर इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य वेलेंटीना मसीह, हेड मास्टर अंजू राय, शाला विकास समिति के अध्यक्ष कुणाल शर्मा, सदस्यगण भास्कर सावर्णी, नितेश तिवारी, राज देवांगन, रेणुका बिजौरा, सरजू मरकाम, किशन पटेल, विष्णु निषाद सहित विद्यालय परिवार ने बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किये है।

25 मार्च 2025 से 45 दिवसीय नि:शुल्क क्रैशकोर्स कोचिंग के लिए पंजीयन प्रारंभ

मुंगेली (समय दर्शन) जेईई/नीट (यूजी)/ बी.एस.सी. नर्सिंग/ सीयूईटी (यूजी) तथा व्यापम परीक्षा 2025 की तैयारी हेतु छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिले के मान्यता प्राप्त शासकीय/अशासकीय हायर सेकेण्ड्री स्कूलों में शिक्षा सत्र 2024-25 में नियमित रूप से अध्ययनरत सभी जाति वर्ग के कक्षा 11वीं एवं 12वीं में अध्ययनरत गणित संकाय के छात्रों के लिए जेईई तथा 12वीं में अध्ययनरत विज्ञान संकाय के छात्रों के लिए नीट (यूजी) की तैयारी करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के लिए डॉ. भीमराव अम्बेडकर शिक्षण संस्थान छत्तीसगढ़ से संबद्ध डॉ.ब्रॉस मास्टर की एकेडमी द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस पंचम वर्ष में भी योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा आगामी ग्रीष्मावकाश में 25 मार्च से उक्त परीक्षा की तैयारी कराने के लिए 45 दिवसीय निःशुल्क क्रैशकोर्स कोचिंग डॉ.भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय परिसर मुंगेली में उपलब्ध कराये जायेंगे। निःशुल्क क्रैशकोर्स कोचिंग के लिए ऑफलाईन एवं ऑनलाईन गुगल फार्म के माध्यम से 10 जनवरी से 25 फरवरी 2025 तक पहले आओ पहले पाओ के आधार पर पंजीयन किये जायेंगे। पंजीयन आवश्यक है। दूरस्थ छात्रों के लिए छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है।

जिला अस्पताल में एक गर्भवती महिला आपरेशन के लिए 5 घंटे तक दर्द से तड़पती रही

बालोद (समय दर्शन)। जिला अस्पताल में अव्यवस्थाओं का आलम कम होने का नाम नहीं ले रहा है। उपचार में लापरवाही किए जाने के मामले लगातार सामने आ रहे है। जिला अस्पताल में एक गर्भवती महिला आपरेशन के लिए 5 घंटे तक दर्द से तड़पती रही और एनेस्थिसिया (बेहोशी) का इंजेक्शन देने वाला कोई चिकित्सक नहीं आया। जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय से 2 किमी दूरी पर स्थित ग्राम मेढ़की की एक गर्भवती महिला प्रसव कराने के लिए जिला अस्पताल में कई घंटों तक तड़पती रही। अस्पताल में डाक्टर नहीं होने का हवाला देकर जिला अस्पताल प्रबंधन ने अपने हाथ खड़े कर दिए। थक हार कर महिला के परिजन एंबुलेंस से नगर के एक निजी अस्पताल में प्रसव के लिए पहुंचे जहां ऑपरेशन पश्चात् कन्या रत्न की प्राप्ति हुई। उक्त घटना को लेकर युवा कांग्रेस ने जिला अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। युवा कांग्रेस के देवेंद्र साहू ने सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जिला

शासकीय अस्पताल,मातृ-शिशु अस्पताल में महिला चिकित्सक नियुक्ति व व्यवस्था में सुधार करने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि जिले के लिए वरदान मातृ-शिशु अस्पताल आज सुविधाओं की कमी के चलते अभिशाप सिद्ध हो रहा है। उक्त अस्पताल में मेढ़की निवासी चन्द्रकांत भारद्वाज की पत्नि विगत दो दिनों से भर्ती थी जिन्हें यह आश्वासन मिला था कि डिलिवरी आसानी से यहां करा ली जाएगी लेकिन डिलिवरी वाले दिन अचानक शाम को परिजनों को यह सूचना दी गई कि वर्तमान में यहां चिकित्सक नहीं है और कहीं और जाकर डिलिवरी करवाने को कहा गया जिस पर महिला के परिजन परेशान हो गए और महिला की डिलिवरी करवाने की गुहार अस्पताल प्रबंधन से लगाई लेकिन जिले का सर्वसुविधायुक्त कहा जाने वाले अस्पताल में चिकित्सक नहीं हैं। यह सिर्फ एक घटना नहीं है, इसके पूर्व भी कई बार ऐसी लापरवाही सामने आ चुकी है। युवा कांग्रेस ने जिला अस्पताल व मातृ-शिशु अस्पताल की व्यवस्था में सुधार करने और शासन से तत्काल महिला चिकित्सक की नियुक्ति करवाने की मांग प्रशासन से की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान देवेंद्र साहू,वैभव शर्मा,आयुष राजपूत,दीपचंद,पंकज साहू,अजय,देव कुमार सहित अन्य शामिल थे।

गंदगी फैलाने वाले दो लोगो पर लगाया जुर्माना,निगम की रहेगी नजर

अब रात में मार्केट क्षेत्र में कचरा फेंकने वालों पर करेगी जुर्माना

दुर्ग। कमिश्नर सुमित अग्रवाल के निर्देश एवं स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग टीम अमला द्वारा वार्ड 25 में निरीक्षण किया गया,मौके पर आयुष अमृतुल्य चाय दुकान दार द्वारा झाड़ू मारकर कचरा नाली में डालते पाए जाने पर एक हज़ार दंडशुल्क किया गया साथ सख्त चेतावनी दिया गया की गिला सुखा दो डस्टबिन रखे और डोर टू डोर कलेक्शन रिक्शा में डालने हेतु निर्देश दिया गया। इस दौरान अमला जांच के मौके पर दुकान दार से पॉलिथीन एवं गंदगी करने पर पांच पांच सौ रुपये अर्थदंड किया गया। नगर निगम द्वारा अब रात में मार्केट में कचरा फेंकने वालों पर करेगी जुर्माना की कार्यवाही। स्वच्छता सर्वेक्षण के मद्देनजर नगर निगम प्रशासन द्वारा सफाई पर फोकस किया जा रहा है। इस क्रम में निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा लगातार शहर क्षेत्र का

निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान चाय दुकानदार द्वारा नाली व सड़क पर गंदगी फैलाए जाने के कारण कार्रवाही की जा रही है। इस मामले में दो दुकानदारों पर जुर्माना लगाया गया। प्रत्येक दुकानदार से एक हज़ार एवं पांच सौ रुपये जुर्माना वसूल किया गया।निगम के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण के दौरान दुकानदारों सहित आम नागरिकों को सफाई व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया जा रहा है।उन्हें सूखा और गीला कचरा भी अलग-अलग कर देने कहा जा रहा है।

राजीव दीक्षित मंच व कायस्थ महासभा ने पुष्प वर्षा कर विद्यार्थियों का किया अभिनंदन

राजनांदगांव। साहित्यिक तपोभूमि नगरी राजनांदगांव में प्रदेश भर से एकत्रित छात्रों की शोभायात्रा निकलने पर राजीव दीक्षित मंच छत्तीसगढ़ तथा छत्तीसगढ़ कायस्थ महासभा के संयुक्त आयोजन द्वारा पुष्प-वर्षा करते हुए छात्रों का स्वागत और अभिनंदन किया गया।

गौरतलब हो कि साहित्यिक तपोभूमि नगरी राजनांदगांव को बाईस वर्षों के उपरांत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सत्तावनवें तीन दिवसीय प्रदेश स्तरीय छात्र सम्मेलन के आयोजन का दायित्व मिलने पर प्रदेश भर से पहुंचे छात्रों के द्वारा सम्मेलन में उपस्थिति दी जाकर शहर में शोभायात्रा जुलूस निकाला गया था, जिनका पुलिस पेट्रोल पंप के पास पुष्प-वर्षा करते हुए मां भारती की जय, वंदेमातरम, छात्रशक्ति-राष्ट्रशक्ति,

आज का विद्यार्थी-कल का राष्ट्र निर्माता और राजीव दीक्षित अमर रहें, जय स्वदेशी, स्वदेशी से स्वावलंबी भारतवर्ष, स्वदेशी से स्वाभिमानी भारतवर्ष का नारा लगाते हुए छात्र-नेताओं का पुष्पहार से स्वागत करते हुए शोभायात्रा पर पुष्पों की वर्षा करते हुए अभिनंदन और स्वागत किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से पूर्व पार्षद श्रीमती जमुनादेवी साहू, श्रीमती पूर्णिमा साहू, श्रीमती पूनम शर्मा, श्रीमती आभा श्रीवास्तव सहित मंच और महासभा के सदस्यों धीरज द्विवेदी, प्रभाकर श्रीवास्तव, मेघनाथ साहू (मुक्कू भाई), राजू श्रीवास्तव व राजीव दीक्षित मंच छत्तीसगढ़ व छत्तीसगढ़ कायस्थ महासभा के संस्थापक अध्यक्ष आनन्दकुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे।

चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज भिलाई नगर का 44वाँ वार्षिक अधिवेशन एवं 104 वीं चंदूलाल चंद्राकर जयंती समारोह सम्पन्न

पाटन (समय दर्शन)। अंतराष्ट्रीय पत्रकार, दुर्ग के पूर्व सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री , भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता, छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण समिति के अध्यक्ष , भिलाई इंटुक के अध्यक्ष , छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के स्वप्न दृष्टा दाऊ स्वर्गीय चंदूलाल लाल चंद्राकर की 104वीं जयंती समारोह एवम् वार्षिक अधिवेशन का आयोजन चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भिलाई नगर के सेक्टर 07 के कुर्मी भवन में आयोजित किया गया ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विनोद सेवन चन्द्राकर , केन्द्रीय अध्यक्ष चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज एवं अध्यक्षता पवन चंद्राकर अध्यक्ष - चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज भिलाई नगर, अति विशिष्ट अतिथि श्रीमती शशि सिन्हा, महापौर - नगर पालिका निगम, रिसाली , तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदीप चंद्राकर, अध्यक्ष - चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज दुर्ग राज, दिनेश चंद्राकर पूर्व अध्यक्ष - चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज कुरूद राज, प्रमुख वक्ता अश्वनी चंद्राकर पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष - चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज छत्तीसगढ़, ईश्वरी वर्मा अध्यक्ष - छत्तीसगढ़ी कुर्मी क्षत्रिय समाज भिलाई नगर , डॉ दुलारी चन्द्राकर च कु क्ष महिला समाज भिलाई नगर, कमल चन्द्राकर युवाध्यक्ष च कु क्ष समाज भिलाई नगर की गरिमामय उपस्थिति रही । कार्यक्रम में स्वागत भाषण संस्था के अध्यक्ष पवन चन्द्राकर द्वारा किया गया । महासचिव प्रतिवेदन संगठन के महासचिव गजेंद्र चन्द्राकर द्वारा प्रस्तुत किया गया। कोष प्रतिवेदन मदन चन्द्राकर द्वारा एवम छात्र विकास कोष का प्रतिवेदन बसन्त चन्द्राकर द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में विभिन्नन् क्षेत्रों व विभागों से सेवानिवृत्त सामाजिक सदस्यों के सांथ-सांथ विशिष्ट सफलता प्राप्त करने वाले सदस्यों, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सामान किया गया।

इसके अलावा व्यवसाय, संगठन, पत्रकारिता एवं कृषि के क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए चंदूलाल चंद्राकर स्मृति सम्मान से सम्मानित हुए। ये चंदूलाल चंद्राकर स्मृति सम्मान से सम्मानित: राकेश चंद्राकर - जगदलपुर (व्यवसाय), चंदूलाल चंद्राकर - धमतरी (संगठन), वैभव चंद्राकर - सांकरा,दुर्ग (पत्रकारिता), सुर्यप्रताप चंद्राकर -छटेरा,आरंग (कृषि)।

सिंगजयूज प्लास्टिक एवं सड़क पर कचरा फैलाने वालो से 2100 रूपये अर्थदण्ड वसूली

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के जोन क्रमांक 03 अंतर्गत पावर हाउस सर्कुलर मार्केट सूर्या नगर वार्ड 36 का निरीक्षण निगम की टीम ने किया। निरीक्षण के दौरान वहां के दुकानदारो द्वारा सिगलयूज प्लास्टिक प्रतिबंधित होने के बावजूद सामग्री डालकर विक्रय किया जा रहा था। संबंधित दुकानदारो से 1500 रूपये की अर्थदण्ड वसूल किया गया। इसी प्रकार मार्केट के बीच गाड़ी पार्किंग कर आवागमन बाधा कर कचरा फैलाने वालो पर भी चालानी कार्यवाही कर 600 रूपये अर्थदण्ड वसूल किया गया। मार्केट क्षेत्र में कुल 2100 रूपये की चालानी कार्यवाही कर संबंधितों को चालान की रसीद दिया गया। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने निगम क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को बिगाड़ने एवं सफाई में सहयोग न करने वालो पर लगातार कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिये है। निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी

अलग-अलग जोन क्षेत्रों में जाकर मार्केट क्षेत्र का निरीक्षण कर रही है। बार-बार समझाइस देने के बाद भी जो दुकानदार या नागरिक भिलाई शहर की सफाई व्यवस्था में बाधा डाल रहे है और गंदगी फैला रहे है उनके पास निगम की टीम जाकर चालानी कार्यवाही कर अर्थदण्ड की वसूली कर रही है। उनको समझाते हुए कहा जा रहा है कि बार-बार गंदगी फैलाने पर अर्थदण्ड दुगनी कर दी जायेगी और उनके आस-पास सफाई नहीं की जावेगी। उनका गुमशता एवं ट्रेड लाईसेंस भी निरस्त किया जा सकता है। इसकी पुरी जिम्मेदारी दुकानदारों के स्वयं की होगी। कार्यवाही के दौरान जोन प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी विरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक चुण्डमनी यादव, स्वच्छता पर्यवेक्षक सुरेश सिंह पटेल, धन बहादुर सोनी, दानिर मच्छीरके, पापाया, बिरबल बद्येल, हेमू कुमार, सोनू राम आदि उपस्थित रहे।

मनरेगा मजदूरी का भुगतान शीघ्र कराने जनदर्शन में लगाई गुहार

स्कूल के बाहर मादक पदार्थ विक्रय करने पर लगाई जाए रोक, आवेदिका ने की शिकायत, जनदर्शन में 123 आवेदन प्राप्त हुए

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिला कार्यालय के सभाकक्ष में एडीएम अरविंद एक्का ने साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा।

ग्राम गनियारी निवासी महिला ने मनरेगा मजदूरी का पैसा दिलाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि गरीबी रेखा से जीवन यापन करने वाले हम मजदूर जाब कार्ड के आधार पर मनरेगा में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, किंतु पिछले तीन-चार सप्ताह का भुगतान पंचायत से नही किया गया है। वेतन भुगतान नही

किए जाने के कारण आर्थिक व मानसिक कष्टों का सामना करना पड़ रहा है। नियमित वेतन भुगतान के अभाव में परिवार का खर्च चलाने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर एडीएम ने जनपद पंचायत सीईओ को वस्तुस्थिति जांच कर तत्काल कार्यवाही करने को कहा।

ग्राम अमलीडीह निवासी ने जल जीवन मिशन अंतर्गत पीने का पानी प्रदाय करने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि विगत कई वर्षो से जल जीवन मिशन अंतर्गत टंकी निर्माण कर ग्राम के प्रत्येक घरों में नल कनेक्शन कर पानी दिया जाना था, किंतु आज दिनांक तक ग्रामवासियों को नल से जल प्रदाय नही किया जा रहा है। गांवों के तालाबों में भी जल संकट बना रहता है। इस पर एडीएम ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

समाज सेवी ने बच्चों के भविष्य को देखते हुए स्कूल के बाहर मादक पदार्थ विक्रय पर रोक लगाने आवेदन दिया। बोरसी भट्टा वार्ड नम्बर 40 में संचालित शासकीय माध्यमिक स्कूल के बाहर ठेले में तम्बाकू, सिगरेट, गुटका जैसी नशीले पदार्थ विक्रय किया जा रहा है, जिसे बच्चों द्वारा सेवन किया जा रहा है। बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। शैक्षणिक संस्थान के परिसर के 100 गज (लगभग 91 मीटर) के भीतर किसी भी क्षेत्र में तंबाकू उत्पादों की बिक्री करना गैर कानूनी है। इस पर एडीएम ने आयुक्त नगर निगम दुर्ग को निरीक्षण कर तत्काल कार्यवाही करने को कहा।

जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, रोजगार दिलाने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 123 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर विरेन्द्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

सार समाचार

शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म

रायपुर(समय दर्शन)। ग्राम काठाडीह में शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थिया की शिकायत पर मुजगहन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पदमनाभपुर दुर्ग निवासी 30 वर्षीय प्रार्थिया ने मुजगहन थाना में शिकायत किया कि आरोपी विनय कुमार जायसवाल 30 वर्ष से उसका परिचय सोशल मीडिया के माध्यम से हुआ था। जिससे आरोपी ने प्रार्थिया को काठाडीह अपने घर बुलाकर शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म किया और फिर शादी से इंकार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर मुजगहन पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

ईंधन लेकर जा रहे टैंकर में लगी आग चालक की मौत

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के रायपुर से बलौदा बाजार की ओर आ रहे एक डीजल-पेट्रोल से भरे टैंकर में पलारी थाना के गोंडा पुलिया के पास अचानक आग लग गई. बीती रात हुए इस हादसे ने इलाके में हड़कंप मचा दिया. आग इतनी भीषण थी कि दोनों ओर ट्रैफिक पूरी तरह से ठप हो गई और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं. बताया जा रहा है कि सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टैंकर की टक्कर होने के कारण आग लगी है. इस हादसे में टैंकर चालक की जलकर मौत हो गई। नेशनल हाईवे 130बी रायपुर-बलौदा बाजार रोड पर ग्राम गोंडा और कोदवा के बीच में भीषण हादसा हो गया. सड़क किनारे खड़े ट्रक में ऑयल टैंकर की जोरदार टक्कर से ऑयल टैंकर जल कर पूरी तरह से राख हो गया. बताया जा रहा है कि देर रात हुए इस हादसे से आग इतनी तेज फैली कि गोंडा पुलिया पर दोनों तरफ के रास्ता बंद हो गया। जिससे दोनों तरफवाहन फंस गए. यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. हालांकि सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल की टीम घटनास्थल पहुंचकर आग पर काबू पाया। घटना के दौरान पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी और लोगों से घटनास्थल से दूर कर सफर आगे जारी रखने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की जानकारी दी. हालांकि इस घटना के बाद देर रात तक यात्री ट्रैफिक जाम में फंसे रहे.आज पर काबू पाने के बाद जांच के दौरान टैंकर में ड्राइवर जले हुए हालात में फंसा हुआ मिला. बहरहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है कि किस तरह से यह दुर्घटना हुई है। नेशनल हाईवे 130 बी रायपुर-बलौदा बाजार, बलौदा बाजार सारंगढ़ सहित बलौदा बाजार-भाटापारा, बलौदा बाजार रिसदा रोड जैसे प्रमुख सड़कों के किनारे बेतरतीब तरीके से ट्रक ड्राइवर खड़े कर रहे हैं. इसकी वजह से आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं.

महापौर के कार्यकाल पर नेता प्रतिपक्ष का तीखा प्रहार

एजाज ढेबर का कार्यकाल झूठ और नाकामी का प्रतीक : मीनल चौबे

रायपुर(समय दर्शन)। नगर निगम नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने महापौर एजाज ढेबर के कार्यकाल को झूठ और नाकामी का प्रतीक करार दिया। पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि महापौर ने अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में न तो शहर का समुचित विकास किया और न ही जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवा पाए। मीनल चौबे ने बताया कि 2019-2024 के दौरान केंद्र सरकार ने रायपुर नगर निगम को 1254 करोड़ रुपये से अधिक की फंडिंग दी। इसमें सफाई के लिए 74 करोड़ रुपये और पेयजल योजनाओं के लिए करोड़ों रुपये शामिल थे। इसके बावजूद जनता को पानी और सफाई जैसी

बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल सकीं। उन्होंने बूढ़ा तालाब सौंदर्यीकरण, गोल बाजार और जवाहर बाजार परियोजनाओं का हवाला देते हुए महापौर पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि करोड़ों की लागत से बनाए गए फव्वारे प्रारंभ से ही बंद पड़े रहे। मल्टीलेवल पार्किंग और उद्यानों का व्यवसायीकरण कर जनता के हितों की अनदेखी की गई। नेता प्रतिपक्ष ने महापौर पर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एजाज ढेबर की नाकामी के कारण नया रायपुर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट रायपुर से छिन गया। मीनल चौबे ने कांग्रेस को चुनौती दी कि वह आगामी नगर निगम चुनाव महापौर एजाज ढेबर के कार्यों पर लड़कर दिखाए। उन्होंने कहा कि महापौर का कार्यकाल झूठ पर आधारित था और जनता को इससे निराशा ही हाथ लगी। इस बीच भाजपा ने महापौर के कार्यकाल को लेकर आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा कि एजाज ढेबर रायपुर के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा थे। पार्टी ने दावा किया कि कांग्रेस के पास अपने कार्यकाल का कोई ठोस प्रदर्शन दिखाने की हिम्मत नहीं है। नगर निगम में व्याप्त अव्यवस्था, पानी, बिजली, और सफाई की समस्याओं ने जनता को निराश किया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि महापौर अपने कार्यकाल की एक भी उल्लेखनीय उपलब्धि नहीं गिना सकते, जिससे यह कार्यकाल पूरी तरह से विफल रहा। यह मामला आगामी चुनावों में मुख्य मुद्दा बन सकता है, जहां जनता के सामने महापौर के प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने किया ऑटोएक्सपो 2025 के पोस्टर का विमोचन

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री साय से रविवार को पुलिस परेड ग्राउंड हेलीपेड में रायपुर आटोमोबाईल डिलर्स एसोसियेशन (राडा) के सदस्यों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान 15 जनवरी से 15 फरवरी तक साइंस कालेज ग्राउण्ड में आयोजित ऑटो एक्सपो 2025 के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर खाद्य मंत्री बघेल एवं रायपुर उत्तर के विधायक भी उपस्थित थे। एसोसियेशन के अध्यक्ष रविन्द्र भसीन एवं प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को ऑटोएक्सपो 2025 के उद्घाटन हेतु मुख्य अतिथि के रूप में सम्मलित होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने इस आमंत्रण के लिए एसोसिएशन के सदस्यों को धन्यवाद दिया। एसोसिएशन के अध्यक्ष भसीन ने मुख्यमंत्री साय को बताया कि इस एक्सपो में छत्तीसगढ़ के प्रमुख ऑटोमोबाइल व्यवसायी भाग लेंगे। प्रदर्शनी में दोपहिया, चारपहिया, कमर्शियल वाहन, ट्रैक्टर डीलर्स, फाइनेंसर, ऑइल एजेंसी सहित ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न श्रेणियों के 200 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। इस दौरान नवीनतम वाहनों का प्रदर्शन किया जाएगा और लोगों को नई तकनीक की जानकारी दी जाएगी।

रायपुर में डॉ. चिन्मय पंड्या का भव्य स्वागत, बोले- विचार और कार्यों में सकारात्मकता बनाए रखें

रायपुर(समय दर्शन)। अखिल विश्व गायत्री परिवार के युवा प्रतिनिधि एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पंड्या ने युग परिवर्तन का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ प्रवास के तहत रायपुर का दौरा किया। राज्य के सबसे बड़े शहर रायपुर में उनका आगमन हुआ। रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर छत्तीसगढ़ के गायत्री परिवार के सदस्यों और युवा प्रतिनिधियों ने डॉ. चिन्मय पंड्या का भव्य स्वागत किया। पारंपरिक रीति-रिवाजों और श्रद्धाभाव के साथ उनका अभिनंदन किया गया। स्वागत समारोह में महिलाओं,

युवाओं, और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. चिन्मय पंड्या ने अपने संदेश में युग परिवर्तन के लिए नैतिक और आध्यात्मिक जागरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। डॉ. पंड्या ने युवाओं को अपने विचार और कार्यों में सकारात्मकता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया और कहा कि युवा शक्ति के द्वारा ही समाज का पुनर्निर्माण संभव है। इस दौरान डॉ. पंड्या ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर और यहां के लोगों के आत्मीयता भरे स्वागत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह धरती ऋषि-मुनियों और परंपराओं की समृद्धि से परिपूर्ण है और यहां के लोगों में नई ऊर्जा और जागरूकता का संचार करने की असीम क्षमता है। डॉ. पंड्या का यह प्रवास छत्तीसगढ़ में गायत्री परिवार की गतिविधियों को नई दिशा और गति देने का कार्य करेगा। उन्होंने अपने प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने और समाज में आध्यात्मिक चेतना जगाने के लिए कार्य करने की योजना बनाई है।

खेलों को बढ़ावा देने किए जा रहे हर संभव प्रयास : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर(समय दर्शन)। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है। राज्य में खेल अधोसंरचनाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के खिलाड़ियों को नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शन करने के लिए भरपूर मौके मिले। वें आज सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत बरौन्धी में ग्रामीण अंचल आधारकार्ड फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर

उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए बेहतर मौका मिलता है। खेल के मैदान में खिलाड़ियों को खेलता देख एक अलग ही अनुभूति होती है। उन्होंने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन करने के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि, खेल प्रेमी तथा ग्रामीणजन मौजूद थे।

अगले दो दिनों तक जारी रहेगा ठंड का सितम

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंडी का दौर जारी है. पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) के चलते राज्य में अच्छी ठंड पड़ रही है. तापमान में गिरावट के कारण लोगों को दिन में भी गर्म कपड़े निकालने पड़ रहे है. आज भी प्रदेश में न्यूमतम तापमान में बढ़ोतरी होगी. मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में अगले दिनों तक तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होगा. शुक्रवार को सबसे ज्यादा तापमान 32 डिग्री तापमान सुकमा में और सबसे कम तापमान 5.2 डिग्री बलरामपुर में दर्ज किया गया है. मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तरी क्षेत्र में शीतलहर जैसी परिस्थिति बन सकती है. न्यूमतम तापमान में बढ़ते क्रम में रहेगा. राजधानी में भी मौसम साफ रहने की संभावना है. छत्तीसगढ़ में अगले 24 घंटों तक न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की सम्भावना नहीं है. अगले 2 दिनों में 2-3 डिग्री सेल्सियस की मामूली वृद्धि होने की सम्भावना है. राजधानी रायपुर में आज मौसम साफ़ रहने वाला है. आज अधिकतम तापमान 29 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है. दो दिनों के बाद लोगों को ठंड से राहत मिलने की संभावना है.

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव उ%जैन के मुंगी चौराहे पर राहगीरी आनंद उत्सव के उद्घाटन के दौरान घोड़े पर सवार हुए.

रूचिर गर्ग ने छोड़ा कांग्रेस का दामन

रायपुर(समय दर्शन)। पत्रकारिता छोड़ राजनीति में आने वाले रुचिर गर्ग ने कांग्रेस छोड़ दी है. उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष दीपक बैज को भेज दिया है. आगे अब पुनः वे पत्रकारिता में लौटने वाले हैं। रुचिर गर्ग ने बैज को भेजे इस्तीफे में लिखा है कि

विन्रमतापूर्वक आपको सूचित कर रहा हूँ कि मैं कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूँ. दरअसल, मैं किसी भी तरह की सक्रिय अथवा निष्क्रिय राजनीति से अलग होकर एक बार फिर पत्रकारिता में ही संभावनाएं तलाशना चाहता हूँ। जब मैंने पत्रकारिता से अवकाश लेकर राजनीति की राह पकड़ी थी तब भी मेरे लिए लक्ष्य धर्मनिरपेक्षता और संवैधानिक मूल्यों के हक में खड़े रहना था, और आज भी मेरी प्रतिबद्धता इन मूल्यों के प्रति उतनी ही गहरी है. मैं कामना करता हूँ कांग्रेस पार्टी इस देश की महान स्वतंत्रता संग्राम से उपजे मूल्यों के साथ ही लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के प्रति हमेशा ही प्रतिबद्ध रहे.।

आईआईएम रायपुर ने युवा संगम के तहत छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों को असम यात्रा के लिए रवाना किया

रायपुर (समय दर्शन)। भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर ने सोमवार को भारत सरकार की प्रमुख योजना, एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत युवा संगम चरण 5 पहल के तहत छत्तीसगढ़ से असम के लिए छात्रों के दल को रवाना किया। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम भारत के युवाओं के बीच एकता, समझ और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है, जिससे उन्हें विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और समुदायों को जानने का अनूठा अवसर मिलता है।

भा.प्र.सं. रायपुर के मदई सभागार में आयोजित ध्वज-प्रस्थान समारोह में रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, युवा संगम सिर्फ एक यात्रा नहीं है—यह भारत की समृद्ध विविधता को नजदीक से अनुभव करने और समझ व सहयोग के सेतु बनाने का अवसर है। असम की यात्रा के दौरान मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इस अनुभव को पूरी तरह से अपनाएं, क्षेत्र की परंपराओं और मूल्यों से सीखें और उस एकता की भावना को आगे बढ़ाएं जो हमारे राष्ट्र को परिभाषित करती है।

कार्यक्रम के अवसर पर आईआईएम रायपुर के निदेशक, प्रो. राम कुमार काकानी ने कहा, हम आईआईएम रायपुर में उन पहलों का हिस्सा बनने पर अत्यंत गर्व महसूस करते हैं, जो राज्यों के बीच एकता के बंधन को मजबूत करती हैं। युवा संगम चरण-ङ्क भारत की विविधता का उत्सव मनाने और साझा लक्ष्यों की ओर मिलकर काम करने की भावना को दर्शाता है। यह यात्रा न केवल छात्रों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाएगी, बल्कि उनमें सांस्कृतिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के दूत बनने का आत्मविश्वास भी पैदा करेगी।

छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को लेकर अपनी उत्सुकता और असम की समृद्ध विरासत और परंपराओं को जानने की अपनी इच्छा साझा की। उन्हें युवा संगम चरण 5 में अपनी भागीदारी को चिह्नित करने के लिए प्रतीकात्मक स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

मुख्य अतिथि ने आधिकारिक रूप से दल को रवाना किया, जो प्रतिभागियों के लिए एक

परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत का प्रतीक था।

आने वाले पांच दिनों में, छत्तीसगढ़ के प्रतिभागी असम की जीवंत संस्कृति, ऐतिहासिक स्थलों और सामुदायिक जीवन का अन्वेषण करेंगे, राज्य की परंपराओं और मूल्यों को गहराई से समझेंगे।

भा.प्र.सं. रायपुर को इस पहल का हिस्सा होने पर गर्व है, जो एक ऐसे भारत की दृष्टि को सुदृढ़ करता है जहां सांस्कृतिक विविधता को शक्ति के रूप में देखा जाता है। संस्थान प्रतिभागियों के समृद्ध दृष्टिकोण और इस अद्वितीय आदान-प्रदान कार्यक्रम की जीवनभर यादों के साथ लौटने की आशा करता है।

भा.प्र.सं. रायपुर के बारे में- 2010 में स्थापित, भा.प्र.सं. रायपुर एक ऐसा केंद्र है जो उत्कृष्ट व्यवसायिक नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करता है, उन्हें उनके संबंधित व्यवसायिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान, अनुभव और अमूल्य संपर्क प्रदान करता है। हमारे संस्थान को विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों के 50 से अधिक अनुभवी शिक्षाविदों और देश के 700 से अधिक होनहार छात्रों की ताकत से सशक्त किया गया है। 2024 में, भा.प्र.सं. रायपुर ने कई महत्वपूर्ण रैंकिंग हासिल कीं, जिनमें 2023 में एमएचआरडी-एनआईआरएफ बिजनेस रैंकिंग में 14वां स्थान, सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान, और आउटलुक-आईकेयर सूची में 8वां स्थान शामिल हैं। हम देश के सबसे तेज़ी से विकसित हो रहे आईआईएम में से एक हैं। छत्तीसगढ़ के नए और जीवंत क्षेत्र, नया रायपुर में स्थित हमारा अत्याधुनिक परिसर आधुनिक वास्तुकला को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और विरासत के साथ खूबसूरती से जोड़ता है, जिससे एक अनोखा और प्रेरणादायक शैक्षिक वातावरण बनता है।

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर(समय दर्शन)। खमतराई और तेलीबांधा थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार धनलक्ष्मी नगर भनपुरी निवासी प्रार्थी टी.उदय कुमार 30 वर्ष ने खमतराई थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एनजेड 0898 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में गीतांजली नगर खम्हारडीह निवासी रामविलाश महानंद 37 वर्ष ने तेलीबांधा थाना में शिकायत किया वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 पीयू 2823 को जलविहार कालोनी के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया।

संपादकीय

अश्विन मैच जिताऊ खिलाड़ी रहे

रोहित शर्मा और खुद उनके बयानों से स्पष्ट है कि रविचंद्रन अश्विन खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे। उन्हें लगने लगा था कि टीम प्रबंधन को उनकी जरूरत नहीं है। संभवत: संकेत यह था कि अब टीम में उनकी जगह पक्की नहीं है। कोई बड़ा खिलाड़ी किसी बड़ी टेस्ट शृंखला के बीच तुरंत रिटायर होने का एलान करे, तो उसे अवकाश लेने की सामान्य प्रक्रिया नहीं माना जा सकता। बड़े खिलाडियों की विदाई अक्सर नियोजित ढंग से और स-सम्मान होती है। इसलिए रविचंद्रन अश्विन ने जिस तरह भारत- ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरिज के बीच तुरंत रिटायरमेंट का एलान किया, लाजिमी है कि उस पर कयास लगाए जाएंगे। इसे संकेत माना जाएगा कि भारतीय क्रिकेट के प्रशासन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। अश्विन मैच जिताऊ खिलाड़ी रहे हैं। उनका रिकॉर्ड खुद बोलता है। भारत के पूरे क्रिकेट इतिहास में अनिल कुंबले (619) के बाद टेस्ट विकेट लेने के लिहाज से वे दूसरे नंबर पर (537) हैं। अपने छह टेस्ट शतकों के साथ दुनिया के टॉप स्पिनरों में बतौर बल्लेबाज वे पहले नंबर पर हैं। 13 साल तक चले टेस्ट करियर के दौरान 106 मैचों में उन्होंने 37 बार एक पारी में पांच और आठ बार मैच में दस विकेट उन्होंने लिए। भारत की अनुकूल पिचों पर उन्हें खेलना किसी विदेशी टीम के लिए बड़ी चुनौती बना रहा। अब कप्तान रोहित शर्मा और खुद अश्विन के बयानों से स्पष्ट है कि 38 वर्षीय अश्विन खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे। उन्हें लगने लगा था कि टीम प्रबंधन को उनकी जरूरत नहीं है। इस सीरिज में अब तक हुए तीन मैचों में उन्हें सिर्फ एक में खेलाया गया। संभवत: संकेत यह था कि अगले दो मैचों में भी उनकी जगह पक्की नहीं है। ऐसे में यह मानने के बावजूद कि उनमें अभी धार बाकी है, उन्होंने तुरंत अवकाश लेने का एलान कर दिया। बड़े खिलाडियों को उनके नाम के आधार ढोया जाए, यह किसी का तर्क नहीं हो सकता। लेकिन खिलाडियों को गाइड करने और उन्हें सीधे उचित सलाह देने का सिस्टम जरूर मौजूद होना चाहिए। इसके लिए स्वस्थ संवाद की जरूरत है। लेकिन हालिया संकेत यही हैं कि भारतीय क्रिकेट संचालन में सीधा संवाद गायब है। विराट कोहली को जिस तरह कप्तानी से हटाया गया और उसके बाद से टीम का जैसा डगमग हाल है, उसके लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी शायद इसी पहलू की है।

युद्ध एवं आतंक से जूझती दुनिया में शांति का उजाला हो

ललित गर्ग

नव वर्ष 2025 की शुरुआत दुनिया के लिए शांति, अमनचैन, अयुद्ध और समृद्धि का वर्ष बनने की कामना के साथ हुई लेकिन अमेरिका में नए साल के पहले ही दिन हुए आतंकी ट्रक अटैक में 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। न्यू ऑरलियन्स में हुए इस कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले ने शांति एवं अमनचैन के दुनिया के मनसूंबों पर पानी फेर दिया। न्यू ऑरलियन्स में हुए इस आतंकी हमले को 42 वर्षीय अमेरिकी नागरिक शम्सुद्दीन जब्बार ने अंजाम दिया, जिसे इस्लामिक स्टेट-आईएसआईएस समर्थक माना जा रहा है क्योंकि उसकी गाड़ी से इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े कुछ दस्तावेज मिले हैं। इस हमले की जांच 'आतंकवादी कृत्य' के रूप में कर रहे हैं। जब्बार पुलिस की गोलीबारी में मारा गया।

बात केवल अमेरिका में हुए इस आतंकी हमले की नहीं है। समूची दुनिया युद्ध और शांति, आतंक एवं आनन्द, हिंसा और अहिंसा, भय और अभय के बीच झूलस रही है। दुनिया में कई सत्ताएं युद्धरत हैं, जबकि ज्यादातर लोग शांति चाहते हैं। अजीब अंतर्विरोध एवं विरोधाभास देखने को मिल रहा है। शांति का मतलब सिर्फ युद्ध का अभाव नहीं होता, बल्कि एक ऐसा वातावरण होता है जहां गतिशील, मज़बूत, सौहार्दपूर्ण और संपन्न समाज का निर्माण होता है। ऐसे समाजों में मानव क्षमता का अधिकाधिक इस्तेमाल होता है और जीवन शांति एवं सहजीवन के रूप में व्यतीत होता है। विडम्बना देखिये कि ज्यादातर लोग शांति, अमन-चैन चाहते हैं फिर भी युद्ध प्रेमी सत्ताएं व्यापक जन-समर्थन हासिल करती जा रही है।

विश्व में उथल पुथल कई मोर्चों पर चली रहती है जिस पर दुनिया का ध्यान आकर्षित होता रहता है। साथ में ही इसका प्रभाव शेष विश्व पर भी पड़ता है, लेकिन विश्व में शांति के लिए संघर्ष जिस बड़े पैमाने पर हो रहे हैं युद्ध एवं आतंक भी उससे बड़े पैमाने पर पनप रहे हैं। इस समय कम से कम दो लंबे युद्ध चल रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को तीन साल होने वाले हैं, जबकि गाजा और इस्त्राइल के युद्ध को भी एक साल से ज्यादा का समय हो चुका है। संसार लगभग चुपचाप, लाचार यह नरसंहार देख रहा है। युद्ध में केवल बर्बरता, लाशें, आग, मलबा और रॉकेट दिख रहे हैं। लोग बेबस हैं, बच्चे अचंभित हैं, औरतों के साथ बर्बरता हो रही है। फिर भी, इन युद्धों को रोकने की कोई सार्थक एवं प्रभावी पहल नहीं हो रही। क्या संसार ने युद्ध की अनिवार्यता और शांति की असंभावना को स्वीकार कर लिया है?

पूरा विश्व इस बीच दो गुटों में बंट चुका है। कुछ देश शांति का समर्थन कर रहे है तो कुछ मौन होकर युद्ध की अनिवार्यता को स्वीकार रहे हैं। लेकिन युद्ध के मुख्य किरदार एक-दूसरे के अस्तित्व को ही मिटाने की जिद्द में गोला-बारूद दाग रहे हैं। मानो एक-दूसरे का नामोनिशान ही मिटा देंगे, लेकिन इस बीच खुद को बचाने के लिए कुछ लोग बंकरों में छिप रहे हैं तो कुछ मातृभूमि की रक्षा के लिए युद्ध के मैदान में लड़ रहे हैं। युद्ध किसी का भी हो, जख्म बच्चों, महिलाओं एवं निर्दोषों को ही ज्यादा मिलते हैं। युद्ध दो देशों के बीच भले हो, लेकिन इससे समूचा विश्व आहत है, प्रभावित है। इतने व्यापक विनाश, क्रूरता, हिंसा की संसार अनदेखी कैसे कर रहा है, यह प्रश्न मानव के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़ा होकर भी इतना सून कैसे हैं? वैसे युद्ध एवं आतंकवाद किसी भी देश के लिए लाभदायक सिद्ध नहीं होता है क्योंकि उसमें जीत-हार तो बाद की बात है, पहले इसमें मानवता को हानि और क्षति होती है। इसलिए युद्ध एवं आतंक न केवल मृत्यु और विनाश का कारण बनते हैं, बल्कि स्थायी शारीरिक और मानसिक विक्षिप्तता का कारण बनते हैं, विकास का अवरोध होता है, पर्यावरण-विनाश का कारण होता है। इक्कीसवीं सदी अपनी निष्ठुरता, अमानवीयता एवं क्रूरता में इतना बेमिसाल और अभूतपूर्व होगी, ऐसी उम्मीद शायद ही किसी ने की हो। शांति की तलाश में लगी दुनिया के लिये युद्ध इतने अनिवार्य कैसे हो गये, यह एक गंभीर प्रश्न है।

पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है। तार्किक रूप से, हम अपनी सभ्यता की प्रगति के ऐसे चरण में हैं कि हमें युद्धों के निहितार्थों को जानना चाहिए और उन्हें होने ही नहीं देना चाहिए। युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता है क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों को परिणाम भुगतना पड़ता है जिसमें अक्सर दोनों पक्षों के हताहतों की संख्या अधिक होती है। यह समय मानवता के दुष्काल एवं आपातकाल का समय है, जिसमें युद्धरत होते देशों को मानवीय मूल्यों से हाथ धोना पड़ता है। उन देशों की तो क्षति होती ही है, इसका असर दूसरे देशों पर भी पड़ता है, चाहे वह आर्थिक तौर पर हो, राजनीतिक, सामाजिक या नैतिक तौर पर हो, युद्धों से होने वाली क्षति की कभी भी भरपाई नहीं हो पाती। सारे संसार में जिस तरह लोकतंत्र का हरण और पूंजीवाद का उत्कर्ष हो रहा है, उसमें शांति के लिए प्रयास धुंधले पड़ रहे हैं। युद्ध चाहे कोई भी हो, कौनसा भी हो, लेकिन वह कभी भी किसी भी देश की लोकतांत्रिक राजनीति, समाजव्यवस्था और अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं होता। एक युद्ध जिन देशों के बीच में छिड़ता है, केवल उनकी ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की शांति भंग करता है, इसका उदाहरण यूक्रेन-रूस तथा इजरायल-हमास युद्ध के परिणामों से विश्व मानवता पर पड़ रहे दुष्प्रभाव से आंकना होगा। यह जंग सिर्फ अब रॉकेट और मिसाइल के दम पर नहीं लड़ी जा रही है, बल्कि यह जंग साइबर वर्ल्ड में भी पहुंच चुकी है, जो अधिक घातक है।

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब कोई जंग असल दुनिया से लेकर साइबर वर्ल्ड तक पहुंची हो। यूक्रेन और रूस के युद्ध में भी हमने साइबर अटैक के कई मामले देखे हैं। ऐसा ही कुछ हमास और इजरायल के बीच होता दिख रहा है। हाल में हमास ने इजरायल पर अचानक हमला किया। इस हमले में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है। इनमें सैनिकों से लेकर आम आदमी तक सभी शामिल हैं। उनके ऊपर कई साइबर अटैक हुए हैं। फोन ऐप को टार्गेट किया गया। इसके अलावा कई दूसरे मामले भी देखने को मिले हैं। इजरायल का रेड अलर्ट फोन ऐप सिस्टम भी साइबर अटैक का शिकार हुआ है। इस ऐप की मदद से इजरायल में रॉकेट और मिसाइल हमले के वक्त रियल टाइम अलर्ट मिलता है। ये चीजें बताती हैं कि जंग का अंजाम कितना घातक होता है। अब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा भी बढ़ गया है कि यूक्रेन को इतने लंबे समय से झुकता न देख रूस का अहं चोट खा रहा है। हालांकि परमाणु हथियारों के दुष्परिणामों से दोनों देश अनजान नहीं हैं। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनेगा। इसलिये दुनिया अब युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहती है। दुर्भाग्य को मिटाकर सौभाग्य का उजाला करना होगा, जिसमें मानवीय संबंध, संवाद, सहकार, टीवी चैनल, सिनेमा, त्योहार, साहित्य, कलाएं- सभी शांति की विधाएं बनने लगे। नववर्ष में इसकी सार्थक शुरुआत हो एवं नये शांति के सूरज का अभ्युदय हो।

हर तरफ लीकेज है!

अपने विरोधियों की टांगें खींचने और उनके खिलाफ जहां-तहां जुगाली करने के बाद जब मैं शाम को थका मांदा घर लौटा तो दरवाजे पर मुंह फुलाए खड़ी पत्नी से सामना हो गया। विपक्षी दल के नेता की तरह वह ताना मारते हुए बोली, 'इधर-उधर ही तांक-झांक करते रहोगे या कभी घर में भी दिलचस्पी लोगे? छत पर रखी टंकी लीक कर रही है, गैस पाईप लीक कर रही है, आपके दारू की बोतल लीक कर रही हैजजिधर देखती हूं, उधर लीकेज ही लीकेज है। यह लीकेजें कौन रोकेगा?' मैंने बाहर खड़े-खड़े ही यह कहकर अपने हाथ खड़े कर दिए कि लीकेज रोकना अपने बस की बात नहीं है। पत्नी तुनकते बोली, 'क्यों, बस की बात क्यों नहीं है? क्या लीकेज किसी महंगाई का नाम है जो नहीं रुक सकती? क्या यह करप्शन है, जो नहीं रुक सकती? क्या यह गाय-भैंस के दूध में सिंथेटिक दूध की मिक्सिंग है या जीवनरक्षक दवाओं में पानी की मिक्सिंग है जो नहीं रुक सकती? क्या यह परीक्षा केंद्रों में होने वाली नकल है जो नहीं रुक सकती? या फिर यह हमारे नेताओं का चारित्रिक पतन है जिसे रोक पाना नामुमकिन है?' मैंने पत्नी के तल्ख तेवर देखकर मुलायम स्वर में कहा, 'हे डार्लिंग, लीकेज हमारे लोकतंत्र का एक बुनियादी हिस्सा है। इसे रोक कर मुल्क का लोकतंत्र कमजोर नहीं किया जा सकता। तुम्हें तो सिर्फ इस घर में ही लीकेज नजर आती है, लेकिन हमें तो यह मुल्क में यत्र तत्र सर्वत्र दिखाई देती है। यहां कोई फील्ड ऐसा नहीं है जहां लीकेज न होती हो। यहां परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक हो जाते हैं। घोषित होने से पहले परीक्षा परिणाम लीक हो जाते हैं। खुलने से पहले सरकारी टेंडर लीक हो जाते हैं। लीडरों के प्रेम प्रसंग लीक हो जाते हैं। उनके कारनामे लीक हो जाते हैं। कोई भी चीज लीकेज प्रूफ नहीं रही है यहां पर। मसलन कभी यह बात लीक हो जाती है कि फलां नेता अमुक सौदे में इतनी दलाली खाने के साथ-साथ कबूतरबाजी में भी इतनी रकम बना गया और ठेकेदारों से सेटिंग करके सरकार को इतने का चूना लगा गया। अपने मुल्क में लीक करने वाले तो इतने शातिर हो गए हैं कि वे यह खबर भी लीक कर देते हैं कि बाढ़ और सूखा पीड़ितों के लिए सरकार ने मानवता के नाते जो राहत राशि जारी की थी, उसका एक बड़ा हिस्सा फलां फलां नेता और फलां फलां अफसर आपस में मिल बांट कर खा गए और उन्होंने डकार तक नहीं मारा। यही नहीं, यहां तो गोपनीय दस्तावेज तक लीक हो जाते हैं। नेता और ठेकेदार की बातचीत ऑडियो के रूप में लीक हो जाती है और घमासान मच जाता है। लीकेज के इस प्रकोप से हर कोई परेशान है। नेता परेशान हैं। अभिनेता परेशान हैं। अफसर परेशान हैं। कर्मचारी परेशान हैं। लीकेज किसी से रुक नहीं रही। नेताओं से नहीं रुक रही। अधिकारियों से नहीं रुक रही और यहां तक कि मुल्क की सरकार से भी नहीं रुक रही। अगर सरकार लीकेज रोकने बैठ जाती है तो बाकी के सारे काम धाम ठप हो जाते हैं और जब बाकी काम ठप हो जाते हैं तो विपक्ष को खामखा सरकार के कपड़े उतारने का मौका मिल जाता है। लीकेज की इतनी नई नई तरकीबें इजाद हो गई हैं कि बस पूछो मत! कोई स्टिंग ऑपरेशन के जरिए नेताओं के कारनामे लीक कर रहा है तो कोई सोशल मीडिया पर उनकी वीडियो आगे से आगे फॉरवर्ड कर रहा है। समोसे से लेकर जंगली मुर्गे तक के किस्से लीक हो जाते हैंज। जिधर देखो उधर लीकेज की धारा बह रही है। पूरा देश 'लीकेजमय' हो गया हैज। सरकार एक जगह लीकेज रोकती है तो दूसरी जगह लीकेज शुरू हो जाती है। थक हार कर सरकार ने लीकेज से पल्ला ही झाड़ लिया है। जब सरकार से लीकेज नहीं रुक रही तो फिर मैं किस खेत की मूली हूं!' मैं घर के बाहर खड़ा-खड़ा पत्नी को मंत्रमुग्ध होकर बताता जा रहा था और पत्नी गुस्से से भनभनाती हुई भीतर चली गई।

भारत को सचमुच एक खुशियों भरे भविष्य की ओर ले गए डॉ. मनमोहन सिंह

श्रुति व्यास

सिर्फ दस साल पहले की बात है, मगर मानों ज़माना गुजर गया हो। दस साल पहले भारत भूखा था नए विजन, नई दृष्टि का। हर कोई तरक्की और अच्छे दिनों के लिए फडफडाता हुआ था। दस साल पहले लग रहा था, सबकी फील थी, भारत बढ़ रहा है। भारतीय आगे बढ़ रहे हैं। आज, लफ्फाजी और प्रोपेगेंडा है।

मैं, सन् 2007 में, स्काटलैंड में सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय में पढ़ती थी। भारत की राजनीति की न सुध थी और न ज्यादा जानकारी। पतझड़ के आखिरी दिनों की एक सर्द दोपहर में, मैं, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर अपनी टुटोरिअल क्लास शुरू होने का इंतजार कर रही थी। विश्वविद्यालय की इमारत खामोश थी, मानों आराम कर रही हो। सभी लोग लंच के लिए गए हुए थे। मैं लंच और सुकून चैन के मूड में थोड़ी जल्दी वापस पहुंच गई। मेरे अलावा वहां एक और व्यक्ति था, जो अपने कपड़ों से खांटी अमीर,कुलीन अंग्रेज लग रहा था। लेकिन वह था एक मेक्सिकन रईसजादा जो स्विटजरलैंड में रहता था। दुआ-सलाम के बाद हम आमने-सामने बैठ गए और मैं खाना शुरू करने ही वाली थी कि उसने मेरे पर सवाल दागा, क्या तुम्हे इंडियन होने पर गर्व है? मैंने हैरानी और नाराजगी से उसे देखा। वह मेरे चैन, इतमीनान से पैनिनी इम्बोटिटो के स्वाद में खलल थी। वो आंखे फैलाकर लगातार मुझे घूर रहा था। मेरा जवाब जानने को बेताब था। मैंने अपना सैंडविच लपेटते हुए उसकी ओर देखा और बेलौस जवाब दिया, हां, बिलकुल है। लेकिन वो मेरे जवाब से न तो खुश हुआ और ना उसे उस पर भरोसा हुआ। उसने दुबारा पूछा, क्या वाकई तुम्हे गर्व है? (क्या आप सचमुच?) मैंने उसकी ओर सवाल उछाला, क्या तुम्हे अपने मेक्सिकन होने पर गर्व नहीं है। उसने तपाक से कहा नहीं। मैंने हैरानी से उसकी ओर देखा। मैं सोच रही थी कि किसी को अपने देश से प्यार न हो, भला ऐसा कैसे संभव है!

वह भी शायद मेरी ओर देखते हुए सोच रहा था कि इसका उलट कैसे संभव है। इसके पहले कि चर्चा आगे बढ़ती, छात्रों के लौटने का सिलसिला शुरू हो गया। हम दोनों अपने-अपने समूहों से घिर गए और बातचीत यहीं समाप्त हो गई। इसके बाद कभी वह अधूरी चर्चा पूरी न हो सकी।

लेकिन मेरे मन में हमेशा सवाल कौंधता रहा कि उसके मन में ऐसा सवाल क्यों आया?

जब मैं स्काटलैंड गई थी तब भारत द्रुत गति से फल-फूल रहा था जबकि ब्रिटेन मंदी में डूब-उतर रहा था। जैसा कि मैंने विदेशी विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु आवेदनों में %अपने वक्तव्य' में कहा था, भारत बदलाव के कगार और सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। इसमें तब संदेह की कोई गुंजाइश नहीं थी। हमारा शेयर बाजार तेजी से बढ़ रहा था, व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग हो रहे थे, लोकतंत्र जिंदा था और माहौल उत्साहपूर्ण था। विकसित देशों में रह रहे मेरे मित्र कहते थे, कम से कम तुम्हारे पास तो वापस जाने का विकल्प है ही। भारत में आसानी से तुम्हे काम मिल जाएगा। मैं गर्वित और अच्छा फील करती थी। भारत बदल रहा था और हरेक व्यक्ति इसे देख और महसूस कर सकता था।

जब मैं बड़ी हो रही थी तब भी मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि ऐसी कोई चीज है जो मैं खो रही हूं, जो मेरे पास नहीं है। निश्चित तौर पर कुछ नियम-कानून और प्रतिबंध थे, जिनका पालन हमें करना पड़ता था। मगर जिंदगी इतनी बुरी भी नहीं थी। एक बच्ची बतौर मेरा जीवन उदास नहीं था। हम रोज एक घंटे कम्प्यूटर का इस्तेमाल कर सकते थे और शाम को केबिल टीवी देख सकते थे, हमें स्कूल ले जाने के लिए कार थी और समय-समय पर हमें नए आधुनिक खिलौने और गेम मिल जाते थे। ये सभी उस समय भारत में आसानी से उपलब्ध थे। हम लोगों को सिनेमा भी ले जाया जाता था और छुट्टियों में हम शहर के बाहर भी जाते थे।

आज जब मैं पीछे मुड़कर उस दौर को याद करती हूं तो मुझे लगता है कि हमारा बचपन खुशनुमा इसलिए था क्योंकि उस दौर में भारत और भारतीय दोनों खुश थे, फालतू की चिंताएं नहीं थी। सब आगे बढ़ रहे थे।

और तब उस समय, उसके पीछे थे डॉ. मनमोहन सिंह।

मुझे सन् 2004 की धुंधली यादें हैं जब सुषमा स्वराज ने एक बड़ा तमाशा किया था। उन्होंने धमकी दी थी कि अगर सोनिया गांधी प्रधानमंत्री बनी तो वे अपना सिर मुंडवा कर सन्यासिन बन जाएंगीं। मुझे यह भी याद है कि किस तरह सोनिया गांधी ने विपक्ष के भारी शोर-शराबे के बीच यह सिद्ध किया था कि उनका कद उन सबसे ऊंचा है। उन्होंने साफ़ कहा कि वे प्रधानमंत्री बनना नहीं चाहतीं और यह जिम्मेदारी उन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह को सौंपने की घोषणा भी की। इस एक्सीडेंटल प्राईम मिनिस्टर ने उसी दिन कहा था कि हम भविष्य को खुशियों से भर देंगे और यही हुआ भी। प्रधानमंत्री बतौर वे भारत को सचमुच एक खुशियों भरे भविष्य की ओर ले गए। दुनिया में तब भारत पर विश्वास था।

सन् 1991 में उन्होने जो बीज बोए थे उनकी फसल काटने का वक्त आ चुका था। सन् 2004 से लेकर 2014 तक प्रधानमंत्री बतौर अपने कार्यकाल में उन्होंने भारत को आधुनिकता और समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ाया। उसे पहले से ज्यादा शक्तिशाली बनाने में भी योगदान दिया। उनके कार्यकाल में अर्थव्यवस्था नौ प्रतिशत की गति से बढ़ी। इतना ही नहीं भारत को लंबे समय बाद अंतर्राष्ट्रीय मंच पर रुतबा हासिल हुआ। उन्होंने अमेरिका के साथ ऐतिहासिक परमाणु संधि की। आईटी सेवाओं के निर्यात के कारण देश में ढ़ेर सारे डालर आ रहे थे। 1991 के मध्य में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार करीब एक अरब डालर का था। उनके कार्यकाल की समाप्ति के समय इस भंडार में 280 अरब डालर थे और अब उसके करीब दो गुना हैं। भारत शाईन कर रहा था और भारतीयों के चेहरों पर भी चमक थी - भारत में भी और विदेश में भी।

हमारे साथ कहीं दोयम दर्जे के नागरिकों जैसा व्यवहार नहीं होता था। हमें सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था। देश जिस तेज गति से आगे बढ़ रहा था उसे भी दुनिया प्रशंसा की निगाह से देख रही थी। हम चीन से मुकाबिल थे और विकसित देशों के क्लब की सदस्यता हासिल करने की ओर बढ़ रहे थे। आर्थिक मामलों की डॉ मनमोहन सिंह की समझ और उनकी बुद्धिमत्ता ने उन्हें पूरी दुनिया में सम्मान का पात्र बनाया था। देश में एक तरह का चैन और सुकून था। सबको पता था कि शीर्ष पर बैठा आदमी समाज को बांटने वाला नहीं है, वह लोगों को आपस में लड़ाना नहीं चाहता और उसके राज में किसी को भी असुरक्षित महसूस करने की जरूरत नहीं है।

उन दिनों मैं भारतीय राजनीति से दूर थी परंतु मुझे यह जरूर याद है कि उस दौर की राजनीति परिपक्व थी, अर्थपूर्ण थी और काफी तक विचारधारा पर आधारित थी। दिल्ली संकीर्ण सोच वाले बेईमान राजनीतिज्ञों से भरी नहीं थी और ना ही राजनीति का उद्धेश्य केवल अपनी भलाई करना था। संसद में भी एक तरह का खुलापन था। सरकार अपनी आलोचना सुनने को तैयार थी - चाहे वह आलोचना विपक्ष कर रहा हो या प्रेस। संसद में शेरो-शायरी होती थी और असहमतियां, सहमतियों में और सहमतियां, असहमतियों में बदलती रहतीं थीं। सबकी अपनी-अपनी वफादारियां थीं और अपनी-अपनी पसंद-नापसंद भी, मगर एक-दूसरे से नफरत का भाव नहीं था।

मैंने डॉ सिंह और प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल का बहुत विस्तार से अध्ययन नहीं किया है लेकिन मैं एक बात जानती हूं और वह यह कि उन्होंने मुझे फलती-फूलती अर्थव्यवस्था पर गर्व करने का मौका दिया। सन् 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद से भारतीयों को लगने लगा था कि उनके बच्चों का जीवन उनके जीवन से बेहतर होगा। उस समय भारत सपने देख रहा था। उसके दिल में ढेर सारी महत्वाकांक्षाएं हिलोरें मार रहीं थीं। आने वाला समय खुशनुमा और सुनहरा लग रहा था।

परंतु अच्छा दौर बहुत लंबा नहीं चलता। जब मैं भारत वापिस आई तब तक मनमोहन सिंह का सुनहरा काल और उस दौर की राजनीति अस्त हो चली था। भ्रष्टाचार के ढेर सारे आरोप थे और झूठ का बहुत बड़ा जाल बुना जा चुका था। अपने दूसरे कार्यकाल में वे अधिकांश समय चुप्पी साधे रहे। उनका खूब अपमान हुआ। जो काम उन्होंने किया था, उसे भुला दिया गया। उन्हें शर्मिंदा किया गया और उन पर एक नाकाम प्रधानमंत्री का लेबल चस्पा कर दिया गया। मगर वे कभी अपने विरोधियों के स्तर पर नहीं उतरे। सन् 2014 में यह घोषणा करते समय कि वे तीसरा कार्यकाल पाने की कोशिश नहीं करेंगे उन्होंने मुस्कराते हुए लेकिन मजबूती से कहा था कि आज के मीडिया या विपक्ष की तुलना में इतिहास मेरे प्रति अधिक उदार होगा।

उनके शब्द कितने सही थे! उनकी मृत्यु ने आज भारतीयों को उस पुराने दौर को याद करने को मजबूर कर दिया है। वह समय इतना अच्छा था कि आज वह सपने जैसा अवास्तविक लगता है। केवल एक दशक पहले हमारे पास एक ऐसा प्रधानमंत्री था जो सत्ता के पीछे पागल नहीं था। बल्कि उसने हम सबको थोड़ी-थोड़ी सत्ता देने का प्रयास किया। हमारे पास एक ऐसा प्रधानमंत्री था जिसकी जबरदस्त आलोचना हुई पर जो कभी प्रेस का सामना करने में नहीं हिचकिचाया; एक ऐसा प्रधानमंत्री जिसने विपक्ष के गुस्से का खुलकर सामना किया; एक ऐसा प्रधानमंत्री जो चुप्पी साधे रहा ताकि उसके आसपास के लोग उसकी निंदा कर सकें, उसे खरी-खोटी सुना सकें, उससे असहमत हो सकें और उसके प्रति अपने गुस्से का इजहार कर सकें। जिस समय डॉ सिंह पर चौतरफा हमले हो रहे थे तब रामचंद्र गुहा ने कहा था कि इतिहास में मनमोहन सिंह का नाम भारत के पहले सिक्ख प्रधानमंत्री के तौर पर तो दर्ज होगा ही मगर एक ऐसे प्रधानमंत्री के तौर पर भी दर्ज होगा जिसे यह नहीं मालूम कि उसे कब रिटायर हो जाना चाहिए। गुहा ने कहा था, यह साफ है कि वे थके हुए हैं, गाफिल हैं और उनमें जरा सी भी ताकत नहीं बची है। यह सही हो या गलत मगर एक बात तो तय है कि आज जिस भारत को डॉ सिंह अपने पीछे छोड़ गए हैं, वह सचमुच थका हुआ है, गाफिल है और उसमें जरा सी भी ताकत नहीं बची है। न कोई जोश है और न सुकून और न सुख। चंद लोग आगे बढ़ रहे हैं और हम सब केवल पुराने दिनों को याद कर रहे हैं। हमें बताया गया है कि हम अमृत काल में जी रहे हैं। लेकिन न तो हमारी थाली में और न हमारी कटोरी में अमृत की एक भी बूंद है।

और मैं जानती हूं कि यदि आज वह मेक्सिकन मुझसे पूछे कि क्या मुझे %इंडियन' होने पर गर्व है तो मैं उसे इस बेसिरपैर का प्रश्न पूछने के लिए उसे तुनक कर बुरा-भला कहूंगी। मैं उससे कहूंगी कि क्या उसे नहीं मालूम कि भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

पौष माह में भगवान शिव को क्या-क्या चढ़ाएं?

हिंदू धर्म में पौष माह को महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ उन्हें कुछ चीजें चढ़ाने का भी विधान है। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि भगवान शिव को क्या-क्या चढ़ाने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

पंचागं के हिसाब से पौष माह के दौरान सूर्यदेव की उपासना के साथ-साथ भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करने का भी विधान है। बता दें, पौष माह की पूर्णिमा को चंद्रमा जिस नक्षत्र में रहता है, उसी महीने का नाम भी उसी नक्षत्र पर रखा गया है। इसलिए पौष माह की पूर्णिमा को चंद्रमा पुष्य नक्षत्र के नाम से जाना जाता है। पौष माह में भग नामक सूर्यदेव साक्षात परब्रह्म के स्वरूप में माने जाते हैं। इसलिए शास्त्रों में इसे धर्म यश, ज्ञान और वैराग्य को भग कहा गया है। अब ऐसे में इस माह भगवान शिव की पूजा करने का विधान है।

भगवान शिव को चढ़ाएं अक्षत

शिवलिंग पर अक्षत चढ़ाने से धन की प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि नियमित रूप से अक्षत चढ़ाने से घर में धन की वर्षा होती है। अखंड चावल अखंडता, पूर्णता और समृद्धि का प्रतीक है। शिवलिंग पर अखंड चावल चढ़ाने से जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है। अक्षत चढ़ाने से व्यक्ति को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती हैं।

भगवान शिव को चढ़ाएं धतूरे

भगवान शिव को धतूरे चढ़ाना बेहज महत्वपूर्ण माना जाता है। अगर आपको कोई मनोकामना है, तो इस दिन अपनी इच्छा को बोलकर भगवान शिव को अर्पित कर दें। इससे व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी हो सकती है और सौभाग्य की प्राप्ति हो सकती है।

भगवान शिव को चढ़ाएं शमी के पत्ते

शमी का पेड़ शनि देव से भी जुड़ा हुआ है। ऐसी मान्यता है कि शमी के पत्ते चढ़ाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं और शनि दोष से मुक्ति मिलती है। चूंकि शनि देव भगवान शिव के अनुयायी हैं, इसलिए शमी के पत्ते चढ़ाने से दोनों देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। शिवलिंग पर शमी के पत्ते चढ़ाने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होता है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। शिव पुराण के अनुसार, शमी के पत्तों को शिव पूजा में शामिल करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। शमी के पत्ते चढ़ाते समय ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें।

भगवान को चढ़ाए गए फूल या माला का तुरंत नीचे गिर जाना देता है ये संकेत क्या कहता है ज्योतिष

हम सभी अलग-अलग तरीकों से ईश्वर के प्रति सम्मान दिखाते हैं, इनमें से ही एक तरीका है पूजा के समय भगवान को फूल या मालाएं अर्पित करना। कई बार ऐसा होता है कि फूल अर्पित करते ही नीचे गिर जाते हैं, जानें इसके कारण।

धार्मिक कार्यों और पूजा-पाठ में फूलों और मालाओं का विशेष महत्व होता है। ऐसे ही भगवान को अर्पित किए गए फूल और माला का भी पूजा में विशेष महत्व होता है। ऐसी मान्यता है कि फूल और माला हमारी श्रद्धा, भक्ति और समर्पण को व्यक्त करते हैं। क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि भगवान को चढ़ाए गए फूल या माला कई बार तुरंत गिर नीचे गिर जाते हैं? कई बार ऐसा होता है कि हम जो भी फूल या माला ईश्वर को समर्पित करते हैं वो तुरंत ही नीचे गिर जाते हैं।

इस बात को लेकर हमारे मन में ऐसे सवाल आते हैं कि क्या ये एक सामान्य घटना है या इसके कुछ ज्योतिष संकेत भी हो सकते हैं? दरअसल ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसके पीछे कुछ खास संकेत होते हैं जो आपकी जीवन स्थितियों, कर्मों और भविष्य के संकेतों की ओर इशारा करते हैं।

पूजा में चढ़े फूल और माला का धार्मिक महत्व भारतीय संस्कृति में फूलों का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व होता है। फूलों को शुद्धता, सौंदर्य और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। भगवान को अर्पित किए जाने वाले फूल न सिर्फ श्रद्धा का प्रतीक होते हैं, बल्कि ये प्रकृति से जुड़ने का एक तरीका भी माने जाते हैं। ऐसे में जब ये फूल या माला भगवान को चढ़ाने के बाद तुरंत गिर जाते हैं, तो इसे एक महत्वपूर्ण ज्योतिषीय संकेत माना जा सकता है। हम श्रद्धा से ईश्वर को फूल या माला अर्पित करते हैं और ये इस बात का प्रतीक होती है कि हम उनकी भक्ति में कितने लीन हैं।

ज्योतिषीय में क्या है ईश्वर को चढ़ाए फूल या माला के गिरने का मतलब

ज्योतिष के अनुसार, भगवान को चढ़ाए गए फूल या माला का गिरना एक संदेश या संकेत हो सकता है। इसे शुभ या अशुभ दोनों तरह के संकेतो के रूप में देखा जा सकता है। यह आपकी वर्तमान परिस्थितियों और कर्मों पर निर्भर करता है।

कर्म और श्रद्धा का प्रतिबिंब

भगवान को फूल या माला अर्पित करना हमारे कर्म और श्रद्धा का प्रतीक होता है। जब हम पूजा के दौरान भगवान को माला चढ़ाते हैं और वह तुरंत गिर जाती है, तो इसे एक संकेत के रूप में देखा जाता है कि हमारे कर्म या भक्ति में कोई कमी है। इसका अर्थ यह हो सकता है कि हमने पूजा करते समय पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ ध्यान केंद्रित नहीं किया। पूजा का उद्देश्य केवल शारीरिक रूप से कर्म करना नहीं है, बल्कि इसमें मानसिक और भावनात्मक समर्पण भी शामिल होता है। यह स्थिति इस बात की ओर इशारा करती है कि हमें अपने आंतरिक मन और भावनाओं में शुद्धता और समर्पण लाने की आवश्यकता है। पूजा के दौरान भगवान के प्रति पूरी श्रद्धा और सच्ची भावना के साथ प्रस्तुत होना जरूरी है ताकि भगवान हमारे कर्मों और भक्ति को स्वीकार कर सकें।

हो सकता है भगवान का संदेश

भगवान को अर्पित फूलों या माला का गिरना एक दिव्य संदेश हो सकता है। जब पूजा के दौरान भगवान को चढ़ाए गए फूल या माला अचानक गिरते हैं, तो इसे भगवान द्वारा भेजा गया संकेत माना जा सकता है। यह संकेत इस बात की ओर इशारा करता है कि भगवान आपकी प्रार्थनाओं को सुन रहे हैं और आपको सही दिशा में मार्गदर्शन देने का प्रयास कर रहे हैं।

कई बार यह घटना शुभ मानी जा सकती है, क्योंकि यह भगवान के साथ आपके संवाद का प्रतीक होते हैं। ऐसे में आपको अपने जीवन में कुछ आवश्यक और महत्वपूर्ण बदलाव करने की जरूरत है। भगवान के इन संकेतों को ध्यान में रखते हुए, हमें अपने जीवन में सकारात्मक कदम उठाने और उन बदलावों को अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए, जो हमारे व्यक्तिगत और आध्यात्मिक विकास के लिए आवश्यक हो सकते हैं।

राशि और ग्रहों की स्थिति का प्रभाव

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में ग्रहों की स्थिति या वर्तमान ग्रह दशा अशुभ होती है, तो ऐसे संकेत मिलना सामान्य माना जाता है। इसका संकेत यह हो सकता है कि ग्रहों की नकारात्मक ऊर्जा आपके जीवन पर प्रभाव डाल रही है, और इनका संतुलन सुधारने के लिए उपाय किए जाने चाहिए। इस तरह के संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, बल्कि इसे अपनी कुंडली के ग्रहों को मजबूत करने और उनकी शुभता प्राप्त करने का अवसर मानना चाहिए। ज्योतिषीय उपाय, जैसे विशेष मंत्रों का जाप, दान-पुण्य या पूजा-पाठ, ग्रहों के प्रभाव को सुधारने में सहायक हो सकते हैं।

आने वाले संकट या अवसरों का संकेत

भगवान को अर्पित माला या फूल का गिरना कभी-कभी आने वाले संकटों का संकेत माना जा सकता है। इसे भगवान द्वारा दी गई एक चेतावनी के रूप में देखा जाता है, जो हमें सचेत करता है कि हमारी जीवनशैली, निर्णयों या किसी खास दिशा में बदलाव की जरूरत है। यह संकेत इस बात का हो सकता है कि हमें अपने वर्तमान कर्मों पर ध्यान देने और अपनी योजनाओं को पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। यह भविष्य में आने वाली चुनौतियों से बचने या उनका सामना करने के लिए तैयार रहने का समय हो सकता है।

स्थान और समय का प्रभाव

भगवान को अर्पित किए गए फूल या माला का गिरना स्थान और समय के प्रभाव से भी जुड़ा हो सकता है। यदि पूजा गलत समय पर की गई हो, तो फूल या माला का गिरना एक सामान्य घटना मानी जाती है। इससे यह संकेत मिल सकता है कि पूजा का समय या स्थान उचित नहीं था। ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हर पूजा का एक शुभ समय और सही स्थान होना आवश्यक है ताकि पूजा का पूरा प्रभाव प्राप्त हो सके। पूजा के लिए दिन, तिथि, और मुहूर्त का विशेष महत्व होता है। यदि पूजा गलत समय पर की जाती है, तो इसका सकारात्मक परिणाम मिलना कठिन हो सकता है। अगर आपके द्वारा चढ़ाई गई फूल या माला बार-बार गिर जाती है तो आपको ईश्वर की सही तरीके से भक्ति करने की जरूरत है और अपनी गलतियों को सुधारने की भी आवश्यकता है। यदि घर में यह बार-बार हो रहा है तो पूजा स्थल की साफ-सफाई और सकारात्मक ऊर्जा का ध्यान रखें।

मां लक्ष्मी को केले के पत्ते पर भोग लगाने का क्या है महत्व

हिंदू धर्म में भोग लगाना एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। इसे प्रसाद चढ़ाना भी कहा जाता है। यह भक्ति का एक रूप है जिसमें भक्त भगवान को भोजन अर्पित करते हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान को प्रसाद चढ़ाने से वे प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। भक्त भोग के माध्यम से भगवान के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। वे मानते हैं कि जो कुछ भी उनके पास है, वह भगवान की कृपा से ही है। भोग लगाने से भक्तों को पवित्रता का बोध होता है। भगवान के लिए बनाया गया भोजन पवित्र होता है। इतना ही नहीं, भोग लगाने के साथ-साथ देवी-देवताओं को किस पात्र में लगाना उत्तम फलदायी माना जाता है। अब ऐसे में माता लक्ष्मी को केले के पत्ते में भोग लगाने का महत्व क्या है।

केले के पत्ते का धार्मिक महत्व क्या है?

केले के पत्ते को हिंदू धर्म में बहुत पवित्र माना जाता है और इसका उपयोग विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाता है। इसे पूजा में अत्यधिक महत्व दिया जाता है। केले के पत्ते को शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। इसे देवताओं को अर्पित किया जाने वाला भोजन परोसने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। केले का पेड़ प्रकृति से जुड़ा हुआ माना जाता है। यह फल और छाया दोनों प्रदान करता है। इसलिए, केले के पत्ते को प्रकृति की पूजा से भी जोड़ा जाता है। हिंदू धर्म में, विष्णु जी को केले का पेड़ बहुत प्रिय माना जाता है। इसलिए, विष्णु जी से जुड़े सभी अनुष्ठानों में केले के पत्ते का उपयोग किया जाता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार, केले के पत्ते वास्तु दोष को दूर करने में भी सहायक होते हैं। इन्हें घर के मुख्य द्वार पर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

मां लक्ष्मी को केले के पत्ते में भोग लगाने की मान्यता

मां लक्ष्मी को धन की देवी माना जाता है। केले का पेड़ भी समृद्धि का प्रतीक है। इसलिए, केले के पत्ते में भोग लगाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है। इतना ही नहीं, केले के पत्ते का संबंध भगवान विष्णु से भी है और मां लक्ष्मी उनकी अर्धांगिनी हैं। इसलिए मां लक्ष्मी को केले के पत्ते पर भोग लगाने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही भगवान विष्णु की कृपा भी बनी रहती है। इसलिए केले के पत्ते पर भोग जरूर लगाएं।

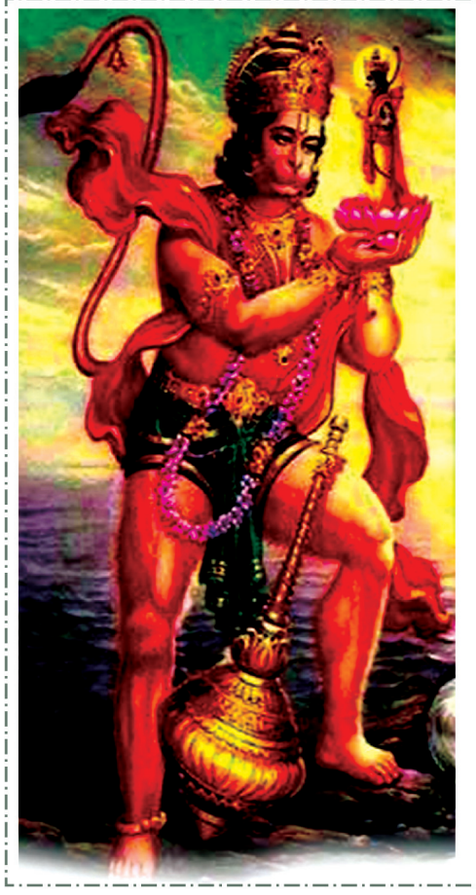

पितृ दोष, मंगल दोष, राहु-केतु दोष दूर करता है हनुमान चालीसा का पाठ

मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ करने के बहुत से चमत्कारिक फायदे बताए गए हैं। बजरंगबली की पूजा करने से हमें बल, बुद्धि और विद्या की प्राप्ति होती है और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। आज हम आपको बता रहे हैं हनुमान चालीसा के असरदार उपाय जो आपके आर्थिक कष्ट दूर करने और परिवार में सुख शांति स्थापित करने के साथ ही आपकी कुंडली में मंगल की स्थिति को मजबूत करते हैं। मंगलवार का दिन हनुमानजी की पूजा करने के लिए सबसे शुभ माना गया है और इस दिन हनुमान चालीसा के उपाय करने से आपके घर में सुख शांति बढ़ती है। आपके धन में वृद्धि होती है और आप सभी कष्टों से दूर रहते हैं। हनुमान चालीसा का पाठ करने से पितृ दोष, मंगल दोष, राहु-केतु दोष दूर होते हैं। हनुमानजी को शिवजी का अवतार माना गया है। कहते हैं हनुमानजी अजर और अमर हैं और कलियुग में भी मौजूद हैं। इसलिए हनुमानजी की पूजा करने से वह जल्द ही सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। आइए देखते हैं हनुमान चालीसा के कुछ असरदार उपाय।

घर से क्लेश मिटाने के लिए हनुमान चालीसा का उपाय

अगर आप भी अपने घर में रोजाना के होने वाले झगड़े और क्लेश से परेशान हैं तो मंगलवार और शनिवार की शाम को हनुमान मंदिर में जाकर गुड़ और चने का दान करें। उसके बाद मंदिर में बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। हनुमान चालीसा शुरू करने के आधा घंटे पहले और आधा घंटे बाद तक किसी से बात न करें और मन में सच्ची श्रद्धा के साथ हनुमान चालीसा का पाठ करें। ऐसा करने से आपके परिवार में सुख शांति रहती है और आपस में प्रेम भाव बढ़ता है।

शनि ग्रह की पीड़ा से मुक्ति के लिए हनुमान चालीसा का उपाय

अगर आपकी कुंडली में शनि का दोष है तो हनुमानजी की पूजा करने से आपको काफी हद तक शनि ग्रह की पीड़ा से मुक्ति मिल सकती है। मंगलवार और शनिवार को सुबह स्नान करने के बाद सबसे पहले हनुमान चालीसा का पाठ करके अपने काम पर जाएं। शाम को लौटकर मंदिर में जाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।

आर्थिक समस्याओं से मुक्ति के लिए हनुमान चालीसा का उपाय

मंगलवार की शाम को सवा किलो गुड़ लेकर उसको 11 भागों में बांट लें। शाम को प्रदोष काल में मंदिर में जाकर पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें और हर बार पाठ खत्म होने पर गुड़ का एक भाग दान करते जाएं। इस तरह पूरे 11 बार पाठ करें और मंदिर में गुड़ पूरा दान करके घर आ जाएं। ऐसा करने से आपकी आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं और करियर कारोबार में तरक्की होती है।

बार-बार चोट लगती है तो करें हनुमान चालीसा का पाठ

अगर आपके साथ पिछले कुछ समय से ऐसा हो रहा है कि आपको बार-बार शारीरिक समस्याएं हो रही हैं या फिर बार-बार चोट या दुर्घटना हो रही है तो हर मंगलवार को कम से 3 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें और साथ ही मंदिर में जाकर बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ऐसा करने से हनुमानजी आपकी रक्षा करेंगे और हर संकट को दूर रखेंगे।

मंगल को मजबूत करने के लिए करें हनुमान चालीसा का पाठ

कुंडली में मंगल की स्थिति कमजोर होने पर आपके अंदर अपने फैसले स्वयं लेने का साहस नहीं रहता है और व्यक्ति का आत्मविश्वास कमजोर रहता है। इसमें सुधार के लिए हर मंगलवार को हनुमानजी के मंदिर की सबसे ऊंची वाली सीढ़ी पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। ऐसा करने से आपका मंगल मजबूत होगा और आपके अंदर अपने फैसले खुद लेने का आत्मविश्वास आएगा।

रानीगढ़ में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई सावित्री बाई फुले जयंती

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। सावित्री बाई फुले की 194वीं जयंती के अवसर पर रानीगढ़ में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गांव के बाजार चौक में आयोजित हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोग, विशेष रूप से महिलाएं और युवतियां, शामिल हुई।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सावित्री बाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। प्रमुख वक्ताओं श्रीमती उत्तरा निराला, ने सावित्री बाई फुले के योगदान पर प्रकाश डाला और उनके शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुधार के कार्यों की सराहना की। उन्होंने उपस्थित लोगों को उनके आदर्शों को अपनाने और समानता व शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

इस मौके पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। बच्चों ने सावित्री बाई के जीवन पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया, जिसने सभी को

भाव-विभोर कर दिया। साथ ही, महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीत गाए, जो दर्शकों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा, सावित्री बाई फुले न केवल महिलाओं की शिक्षा की प्रेरणा थीं, बल्कि उन्होंने समाज में समानता और अधिकारों की स्थापना के लिए अमूल्य योगदान दिया। उनकी जयंती हमें उनके आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा देती है।

सावित्री बाई फुले की जयंती पर यह आयोजन समाज के सभी वर्गों के लिए प्रेरणादायक रहा। आयोजन समिति ने इसे सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

रानीगढ़ में यह उत्सव न केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व को याद करने का अवसर बना, बल्कि समानता ,शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक संदेश है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्रीमती उत्तरा निराला,श्री गंगा राम निराला,श्री मलेछराम खूंटे, श्री त्रिलोक हरिप्रिय,श्रीमती सरोज हरिप्रिय,श्री रामकुमार भास्कर,श्रीमती धनेश्री भास्कर, शिव बंजारे,श्रीमती कौशिल्या बंजारे,राजकुमार जांगड़े,श्रीमती रूसबाई,श्रीमति रुबीना टण्डन,सरिता टण्डन, रमा महिलांगे, मीना टण्डन, रवीना टण्डन, हेमबाई बंजारे,सीमा टण्डन, श्रद्धा बंजारे, ललिता,रजनी,रम्भा,श्रीमती अनिता बंजारे, ऊर्जस्वि जांगड़े सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गुढ़ियारी में दो दिवसीय दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन 8 और 9 को

पाटन। गुढ़ियारी (गाड़ाडीह) में सदविप्र समाज सेवा एवं सदगुरु कबीर सेना के संस्थापक एवं दिव्य गुप्त विज्ञान के प्रणेता स्वामी श्री कृष्णानंद जी महाराज का आगमन हो रहा है। सदगुरू देव जी भारतीय सनातन ऋषि परंपरा के संवाहक है और संपूर्ण मानवता को जाति- पाति, धर्म, वर्ग, संप्रदाय से ऊपर उठाकर सद्विप्र समाज की स्थापना कर नये मानव समाज की स्थापना का सूत्रपात किये है। कार्यक्रम स्थल दुर्गा पंडाल गुढ़ियारी में दो दिवसीय आयोजन के प्रथम दिवस 8 जनवरी बुधवार को दोपहर 12 बजे से गायत्री शक्तिपीठ आमालोरी से भव्य शोभा यात्रा निकलेगी एवम दोपहर 2 बजे से दिव्य आशीर्वचन होगा।दूसरे दिवस 9 जनवरी गुरुवार को 2 बजे से शाम 4 बजे तक आशीर्वचन एवम 4 बजे से ब्रह्मदीक्षा होगी।कार्यक्रम का आयोजन सदविप्र समाज सेवा,सद्गुरु कबीर सेवा एवम समस्त ग्रामवासियों के द्वारा किया जा रहा है।

सारंगढ़ बिलाईगढ़ से ज्योति पटेल बने भाजपा जिला अध्यक्ष

योगेश कुर्रे/ सारंगढ़ (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी ने जिला अध्यक्ष की घोषणा कर दी है सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले मे ज्योति पटेल को बनाया गया है घोषणा करने के लिए सभी कार्यकर्ताओ की मीटिंग रखी गई जिसका बड़ी काफ़ी लम्बे समय से कार्यकर्ता इंतजार कर रहे है वही शौरभ सिंह जिन्हे जिला का पार्टी ने निर्वाचन अधिकारी बनाया गया उन्होंने ने लिफ़ाफ़ा खोलकर ज्योति पटेल की नाम पर घोषणा की गई घोषणा के बाद कार्यकर्ताओं मे उत्साह से बधाई और फूल माला गुलदस्ता लेकर बधाई देने कार्यकर्ता उमड़ पड़े

ज्योति पटेल - वर्तमान मे जिला उपाध्यक्ष है और लगातार 3 बार रह चुके चुके है जमीनी कार्यकर्ता से लेकर जिला उपाध्यक्ष तक के दायित्वों का निर्वहन कर चुके है अविभाजित रायगढ़ जिला मे भी जिला उपाध्यक्ष रह चुके है,अघरिया समाज का बड़ा चेहरा है अब उन्हें सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला का नया सेनापति के तौर पर चुन लिया गया है।

पार्टी और जिला का विकास के लिए तत्पर रहूँगा - वही नवनिर्वाचित अध्यक्ष से खास बात चित किया गया जिसमे उन्होंने पहले शीर्ष नेतृत्व और कार्यकर्ता का आभार व्यक्त किया और कहा की मै एक छोटा सा कार्यकर्ता हु मुझे पार्टी ने जब कब जिम्मेदारी दी है मेरा हमेशा से कोशिश रहा की मुझे जो भी जिम्मेदारी दिया गया उसे बखूबी निभाया है और इस बार मुझे जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है पूरी जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ पार्टी और संगठन का विकास कराना है आगामी चुनाव दिनों मे चुनाव है हम सबको मिलकर भाजपा को जीत दिलानी है साथ ही जिला विकास को लेकर भी सवाल पूछा गया की जिला विकास को लेकर क्या रणनीति है जिसमे साफ़तौर पे कहा की जिला अभी भी अधूरा चल रहा है कार्यालीन दफ़्तर भी नहीं आये है जिसको लेकर विशेष तौर पर मुख्यमंत्री से मुलाक़ात कर जिला विकास के लिए हमेशा प्रयासरत रहूँगा।

एक्सेल ने भारत के लिए जुटाया 650 मिलियन डॉलर का नया फंड, ताकि अगली पीढ़ी के विभिन्न श्रेणियों को पुनर्परिभाषित करने वाले स्टार्टअप को दिया जा सके बढ़ावा

रायपुर। अग्रणी वैश्विक वेंचर कैपिटल (उद्यम पूंजी) फर्म, एक्सेल ने आज घोषणा की कि उसने भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में साहसी संस्थापकों (बोल्ड फाउंडर) के समर्थन के लिए समर्पित 650 मिलियन डॉलर का प्रारंभिक चरण (अर्ली स्टेज) का फंड जुटाया है। एक्सेल का नवीनतम फंड, भारत और एसईए में इसका आठवां फंड है और यह शुरुआती चरण के संस्थापकों के साथ भागीदारी करने की इसकी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएगा, ताकि ऐसे विघटनकारी, विभिन्न श्रेणियों को पुनर्परिभाषित करने वाले व्यवसाय का निर्माण किया जा सके जो सार्थक प्रभाव पैदा करें। एक्सेल के पास 40 से अधिक साल का अनुभव और वैश्विक मंच है और वह संस्थापकों को उनके डोमेन में नेतृत्व करने के लिए आवश्यक सलाह, नेटवर्क और सहायता प्रदान करता है। इस फंड के साथ, एक्सेल एआई, उपभोक्ता ब्रांड, फिनटेक और विनिर्माण में संस्थापकों के साथ भागीदारी करना जारी रखेगी। फर्म ने इनमें से हर थीम के भीतर ध्यान देने योग्य उप-श्रेणियों की पहचान की है: **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस:** एंटरप्राइज एआई (ऐसे प्लेटफॉर्म जो एजेंटिक टेक्नोलॉजी, एलएलएम और एसएलएम का उपयोग कर एंटरप्राइज एआई उपयोग मामलों को सक्षम करते हैं), सॉफ्टवेयर के रूप में सेवा (बेहतर ऑटोमेशन पेशकश प्रदान करने के लिए भारत की बड़ी आईटी सेवा क्षमताओं का लाभ उठाने वाले एआई स्टार्टअप), वर्टिकल एआई (वर्टिकल विशिष्ट उपयोग मामलों में एआई को एकीकृत करने के लिए भारत के बड़े एआई टैलेंट पूल का लाभ उठाने वाले स्टार्टअप)।

लो खुल गई एक और कोल वासरी आज होगी जनसुनवाई

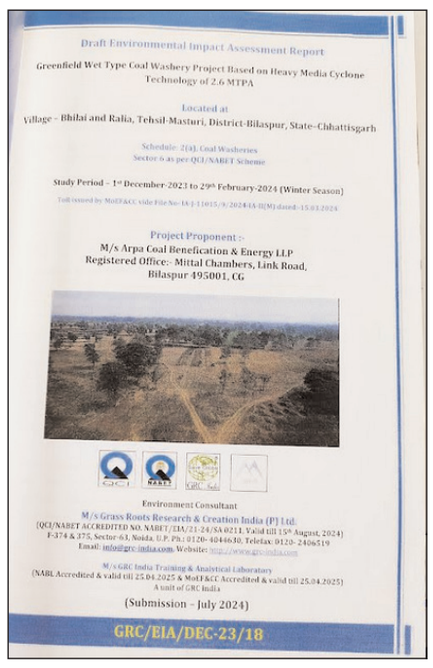

बिलासपुर (समय दर्शन)। ब्लॉक मस्तूरी के ग्राम भिलाई और रलिया की क्रमशः 31 खसरे कुल जमीन लगभग 22 एकड़ और 19 खसरे लगभग 9 एकड़ जमीन को 30 साल की लीज पर लेकर लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप एलएलपी के अंतर्गत अरपा कोल बेनिफिशियरी कोल वासरी खोली जा रही है। इसकी जनसुनवाई कल 7 जनवरी को होनी है। विनोद मित्तल और प्रमोद मित्तल ने सन 2022 से दोनों ग्राम में किसानों से जमीन खरीदना प्रारंभ किया था। अंतिम रजिस्ट्री 1.9.2023 को हुई। कोल वासरी में रोज 490 केएलडी पानी की जरूरत होगी। एक केएलडी 1000 लीटर के बराबर होता है। मस्तूरी क्षेत्र में इन दोनों कोल डिपो और कोल वासरी की बहार आ गई है। जनसुनवाई ऐसे समय रखी गई है जब किसान अपनी धान खरीदी

को लेकर परेशान हैं। और नेता त्रिस्तरीय पंचायत की तैयारी में लगे हैं। दूसरी तरफ छोटे किसान काम की तलाश में पलायन कर चुके हैं। कोल वासरी से सबसे बड़ा नुकसान मुख्य मार्ग से वासरी के दूरी के बीच सड़क से होता है बड़ी गाड़ियां दिन भर शांतिपूर्ण ग्रामीण जनजीवन को अशांत कर देते हैं। स्वास्थ्य बिगड़ता है बीमारियां रोज बढ़ती हैं पानी और हवा का प्रदूषण ग्रामीण नागरिकों को ऐसी बीमारियों से घिराता हैं और उन्हें ऐसी बीमारियों का सामना करना पड़ता है जो उन्हें कभी नहीं हुई।

दीनानाथ केशरवानी बने भारतीय जनता पार्टी मुंगेली के नए जिलाध्यक्ष

निर्वाचन अधिकारी मधुसूदन यादव ने की घोषणा

मुंगेली (समय दर्शन)। जिला भाजपा की बैठक अटल परिसर जिला भाजपा कार्यालय मुंगेली में आयोजित किया गया। जिसमें जिलाध्यक्ष पद हेतु प्रदेश से आए लिफ़ाफ़े में दीनानाथ केशरवानी का नाम निकला जिसकी घोषणा जिला निर्वाचन अधिकारी पूर्व सांसद मधुसूदन यादव ने की। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन के कार्यकर्ता गण संगठन के प्रति समर्पित हैं इसी कारण यहां के संगठन का नाम है। विधायक पुन्नूलाल मोहले ने सभी कार्यकर्ताओं से मिलजुल कर कार्य करने की बात कही। इससे पूर्व निवर्तमान जिलाध्यक्ष शैलेश पाठक ने अपने 5 वर्ष के कार्यकाल में हुए कार्यों की चर्चा की। जिला सह निर्वाचन अधिकारी ठाकुर भूपेंद्र सिंह ने कहा कि मुंगेली से कई बड़े नेता हुए सभी ने संगठन को आगे बढ़ाया है अब नए पदाधिकारी इस

दायित्व को निभाएंगे। विधायक विक्रम मोहले ने सभी मण्डल अध्यक्षों को बधाई दी। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी ने संबोधित कर सभी को बधाई देते हुए कहा कि एक छोटे से कार्यकर्ता पर वरिष्ठ जनों ने विश्वास जताया और जिलाध्यक्ष जैसे पद की जिम्मेदारी सौंपी है। दीनानाथ ने सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन गुरमीत सलुजा ने आभार निश्चल गुप्ता ने किया। इस अवसर पर जिले के सभी 11 मंडलों के नवनियुक्त अध्यक्ष गण तथा कोमलगिरी गोस्वामी, नरेंद्र शर्मा,प्रेम आर्य,लोकनाथ सिंह,शिवप्रताप सिंह,मोहन भोजवानी, द्वारिका जायसवाल,प्रद्युम्न तिवारी,सुनील पाठक, संजय वर्मा,आशीष मिश्रा,श्रीकांत पाण्डेय,तरुण खांडेकर,कोटू दादवानी, राणाप्रताप सिंह,सोम वैष्णव,मिट्ठूलाल यादव,नरेश पटेल,समीर आहिरे, संतुलाल सोनकर,मोहन मल्लाह,जयप्रकाश मिश्रा,अमितेष आर्य,यूसुफ उपलेटा,सौरभ बाजपेयी, राजीव श्रीवास,राघवेंद्र सिंह, सुखचंद साहू,नागेश्वर जायसवाल, संजय राजपूत,दिनेश कश्यप,लेखराज,राजेन्द्र साहू,पोषण यादव सुनील सोनी आदि उपस्थित रहे।

चेम्बर ने आत्मनिर्भर महिलाओं का बढ़ाया मान, प्रदर्शनी में जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारियों ने भी की शिरकत

दुर्ग । छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज की दुर्ग जिला महिला विंग द्वारा आत्मनिर्भर महिलाओं के स्वनिर्मित उत्पादों को बढ़ावा व प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से फरिश्ता कॉम्पलेक्स के पास स्थित सिटी मॉल सेंटर में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। प्रदर्शनी में दुर्ग जिले के अलावा अन्य जिलों की आत्मनिर्भर महिलाएं अपने उत्पादों को लेकर उत्साह के साथ शामिल हुई। उनके पारंपरिक एवं फैंसी उत्पादों को खूब सराहा गया। जिससे प्रदर्शनी में सुबह से लेकर रात तक लोगों की भीड़ से मेला का माहौल रहा। प्रदर्शनी में सांसद विजय बघेल, आरएसएस के पूर्व प्रांत प्रमुख बिसराराम यादव, विधायक गजेन्द्र यादव, पूर्व विधायक अरुण वोरा, प्रतिमा चंद्राकर, सभापति राजेश यादव, मिस यूनिवर्स 2022 प्रेरणा धावर्डे के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि, व्यवसायी व नामचिन्ह हस्तियों ने शिरकत कर आत्मनिर्भर महिलाओं की हौसला अफ्ज़ाई की गई। प्रदर्शनी की खास बात रही कि अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखने वाले प्रशासनिक व पुलिस के आला अधिकारी भी शामिल हुए। दुर्ग रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला व अन्य अधिकारियों ने प्रदर्शनी के स्टॉलों का निरीक्षण किया और महिलाओं द्वारा स्वनिर्मित उत्पादों की सराहना की गई। जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने इस तरह के आयोजन को समय की जरुरत बताते हुए आयोजक टीम को बधाई दी। यह प्रदर्शनी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज की दुर्ग जिला महिला इकाई अध्यक्ष सुश्री पायल जैन के नेतृत्व में आयोजित किया गया। प्रदर्शनी के दौरान चेंबर महिला विंग महामंत्री गूंजा पींचा, चेयरमैन राजश्री गुप्ता, संरक्षक शारदा गुप्ता, विनीता गुप्ता, तृप्ति सिंह, सलाहकार अमीना हिरानी, रंजना गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नीति बख्लेवार, विनीता बरड़िया, विनीता शर्मा,प्रवीण पींचा, मोंटी सोनी के अलावा सहयोगी संस्था चेम्बर युवा विंग, कैट व स्वावलंबी भारत अभियान के सदस्य व्यवस्था बनाने में सक्रिय रहे।

समाजसेवक फिरोज नवाब ने समाजसेवी साथियों से मिलकर बनाया बुजुर्ग महिला का आशियाना

कुछ दिनों पूर्व गिर गया था घर

किरंदुल। लौह नगरी बचेली के रेतीपारा वार्ड 5 के नीचे कालोनी में एक बुजुर्ग महिला का घर विगत दिनों गिर गया और वह बुजुर्ग महिला अब बिना छत के केवल प्लास्टिक के बोरे बांधकर घरनुमा बनाकर बरसात और ठंड में निवास कर रही है। बिना छत के इस कड़ाके की ठंड में अंदर में केवल चादर लपेट कर रहने को मजबूर हैं। इतना ही नहीं रात्रिकालीन में भी वह वही सो रही थी । फिर एक दिन संटू को इसकी जानकारी लगी। बचेली के जनसेवक फिरोज नवाब को जब बुजुर्ग महिला के संबंध में जानकारी लगी कि ठंड के मौसम में भी बुजुर्ग महिला एक जगह में निवासरत है और बेहद कठिन परिस्थिति में रहती है

इससे पहले बता बचेली नगर में जनसेवा के नाम से प्रख्यात फ़िरोज नवाब रफ़दान और गौ सेवा में अग्रणीय भूमिका निभाते है और कही भी कोई भी घायल व्यक्ति हो उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाना और पूर्ण उपचार तक देखभाल करना उनकी एक दिनचर्या है जिससे उनकी छवि बेहद सजगता के साथ एक सम्पूर्ण जनसेवक की बनती है

इस तरह उस बुजुर्ग महिला के लिए जनसेवक पार्षद ने संज्ञान में लिया और तत्काल घटना स्थल में पहुंचकर पूरा जायजा लिया और उस बुजुर्ग महिला से बात कि और उनके लिए जनसेवक फिरोज नवाब से सबसे चर्चा के बाद उसके लिए एक आशियाना निर्माण का दृढ़ निश्चय किया और कुछ समाजसेवी साथियों का साथ मिला और एक बेघर बुजुर्ग महिला को घर मिला इस नेक कार्य के विशेष सहयोगी ओम प्रकाश सोनी संटू भट्टाचार्य सतीश प्रेमचंदानी पंकज घोष और एनएमडीसी कर्मी पी एल फ्कलिहारी के साथ मिला इस तरह का कार्य से पूरे नगर में जनसेवक पार्षद वार्ड 13 के फ़िरोज नवाब का भूरी भूरी प्रशंसा हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने महासमुंद में 217 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया

मुख्यमंत्री ने बीजापुर में हुए आईईडी ब्लास्ट में शहीद जवानों को दो मिनट मौन होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए

छत्तीसगढ़ की जनता से मोदी की गारंटी का हर किया वादा निभा रहे हैं - मुख्यमंत्री साय

महासमुंद (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वामी आत्मानंद हिन्दी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महासमुंद में आयोजित विकास कार्य के लोकार्पण, शिलान्यास एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जिले के कुल 217 करोड़ 17 लाख रुपए के 419 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिन्हा, विधायक बसना सम्पत अग्रवाल, पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू, पूर्व संसदीय सचिव पूनम चंद्राकर, पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, पूर्व विधायक परेश बागबाहरा, श्रीमती सरला कोसरिया, ऐतराम साहू, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक आशुतोष सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सहित जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिला-बीजापुर के कुटरू मार्ग पर आईईडी ब्लास्ट में शहीद हुए जवानों को दो मिनट मौन होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजापुर में जो घटना हुई है वह अत्यंत दुःखद और निंदनीय आज बीजापुर है। जिले के कुटरू में सर्चिंग के दौरान हमारे 7 जवान और एक ड्राइवर शहीद हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सली के इस कायराना पूर्ण हरकतों का निंदा करते हैं।

उन्होंने कहा कि 8 जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विगत 13 दिसंबर को हमारी सरकार का एक साल पूरा हुआ है, हमने इसे जनादेश परब के रूप में मनाया। आप सभी को याद है कि चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ की जनता से मोदी की गारंटी के रूप में हमने जो वादा किया था उसको हर वादा हम निभा रहे हैं। उन्होंने कहा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने 18 लाख आवास स्वीकृति की गारंटी दी थी उसे पूरा करते हुए हमारी सरकार की शपथ के दूसरे ही दिन हमने आवासहीन हितग्राहियों को आवास की स्वीकृति दी। स्वीकृत आवास अब बनते जा रहे हैं और लाभान्वित परिवारों का गृह प्रवेश भी हो रहा है। अभी साढ़े तीन लाख आवास की स्वीकृति और मिलेगी।

सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं धरातल पर पूरी तरह से कार्यान्वित हो रही हैं, जिनसे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना, ट्राई सायकल योजना और अन्य विकासात्मक योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं से आम लोगों के चेहरे पर खुशी देखने को मिल रही है।

महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के हर वर्ग के लोगों के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री जी के रहते विकास की कोई कमी नहीं रहेगा।। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी को राज्य निर्माण के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारे राज्य मे जब भी हमारी सरकार रही तब तब सुशासन का राज रहा।

बसना विधायक सम्पत अग्रवाल ने मुख्यमंत्री के महासमुंद आगमन पर उनका स्वागत करते हुए जनता के प्रति उनकी संवेदनशीलता और सक्रियता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए परम सौभाग्य की बात है कि मुख्यमंत्री हमारी हर मांग को पूरा करने का प्रयास करते हैं।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जिले का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर स्वप्निल चंद्राकर, सतपाल सिंह पाली, इंद्रजीत सिंह गोल्डी, अल्का चंद्राकर, महेन्द्र सिक्का, प्रशांत श्रीवास्तव एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण मंच पर मौजूद थे। कार्यक्रम में महिला, किसान, युवा एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक तथा अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

खबर-खास

धान खरीदी के अंतिम दिवस पूर्व तीन बार उपार्जन केन्द्रों का करे भौतिक सत्यापन - कलेक्टर

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल की उपस्थिति में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में धान खरीदी केन्द्रों के भौतिक सत्यापन के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।कलेक्टर ने अधिकारियों को कहा कि धान खरीदी केन्द्रों में धान के उचित रख-रखाव एवं व्यवस्थित खरीदी को सुचारू रखने के लिए विभागीय दिशा निर्देश अनुसार प्रत्येक धान उपार्जन केन्द्र के सत्यापन के लिए दल का गठन किया गया है।धान खरीदी की अंतिम दिवस के पूर्व इन सत्यापन दलों को कम से कम तीन बार उपार्जन केन्द्रों का भौतिक सत्यापन करना है।प्रथम चरण में 7 से 14 जनवरी तक,द्वितीय चरण में 16 से 22 जनवरी तक एवं तृतीय एवं अंतिम चरण में 23 से 31 जनवरी के मध्य उपार्जन केन्द्रों का गहन भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिये।खाद्य अधिकारी सुधीर गुरु ने बताया कि धान खरीदी के अंतिम समय में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए शासन ने जिला स्तरीय अधिकारियों को उपार्जन केन्द्रों की सतत् निगरानी का जिम्मा सौंपा है। ताकि किसी भी प्रकार की फर्जी धान खरीदी-बिक्री एवं बोगस प्रविष्टि,बोगस उठाव आदि से बचा जा सके। इस दौरान संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय जूनियर बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता राजिम में बालिका टीम बनी उपविजेता, बालक टीम को मिला तीसरा स्थान

बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता में जिले की बालिका टीम बनी उपविजेता, बालक टीम को मिला तीसरा स्थान

महासमुंद (समय दर्शन)। राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग में दिनांक 04 से 06 जनवरी 2025 तक गोबरा नयापारा राजिम में आयोजित किया गया। जिसमें महासमुंद जिले की बालक एवं बालिका टीम शामिल हुई। जिले की बालिका टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका टीम में वर्षा कोसरे, दामिनी वर्मा, दामिनी कहार, रुक्मणी साहू, सविता जोशी, माधुरी पारेश्वर, महेश्वरी चंद्राकर, हिना चक्रधारी, लविना चंद्राकर, वीना साहू, मोना साहू शामिल रहे। बालक टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया जिसमें राहुल कुर्रे, हिमांशु तिवारी, ओम प्रकाश, यशवर्धन, शुभम मानिकपुरी, लखन पटेल, जुगेश नाथ भोई, डोमेश, लल्ला शामिल रहे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक जीतने पर खिलाड़ियों को बादल मक्कड़, तन्मय लूनिया, नरेश चंद्राकर, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद मनोज धृतलहरे, तारिणी चंद्राकर, राजेश शर्मा, प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमचा सोहन लाल पाटकर, अध्यक्ष शाला विकास समिति लखनू निर्मलकर, तुलेंद्र सागर, प्रदेश सह सचिव एवं जिला सचिव अंकित लूनिया, मोबीन कुरैशी, डॉ. सेवन दास मानिकपुरी, लोकेश साहू, सुधीर चंद्राकर, विनय भारद्वाज, गजेंद्र यादव, कमल नारायण, प्रभात सेठ, भूषण ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कबीरधाम जिले के सैकड़ों श्रद्धालुओं के अयोध्या और काशी दर्शन के सपने हुए पूरे

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रभु श्री रामलला दर्शन योजना केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि एक ऐसा आध्यात्मिक अभियान है, जो प्रदेश के लोगों के जीवन में श्रद्धा, विश्वास और भक्ति का नया अध्याय जोड़ रहा है। यह योजना छत्तीसगढ़ में नई सरकार बनने के बाद शुरू की गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शिता और जनकल्याणकारी सोच का यह एक सशक्त प्रमाण है। इस योजना से छत्तीसगढ़ के हजारों नागरिकों को प्रभु श्रीरामलला के जन्मस्थान के दर्शन करने का लाभ मिल चुका है। कबीरधाम जिले में इस योजना से 421 लोगों के अयोध्या यात्रा करने के सपने पूरे हो चुके हैं।

छत्तीसगढ़ में भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा का गहरा भाव हमेशा से रहा है। वर्षों से प्रदेश के श्रद्धालुओं के मन में अयोध्या में श्रीरामलला के दर्शन करने का सपना संजोया हुआ था। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस भाव को समझते हुए श्रामलला दर्शन योजनाश् की शुरुआत की, ताकि हर व्यक्ति को बिना किसी आर्थिक बोझ के, नि:शुल्क भगवान श्रीराम के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो सके। योजना के अंतर्गत विशेष ट्रेन के माध्यम से श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम और काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन कराए जा रहे हैं। इस यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को नि:शुल्क भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा और

आरामदायक सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इन सभी व्यवस्थाओं ने इस यात्रा को एक अविस्मरणीय अनुभव बना दिया है। कबीरधाम जिले से अब तक 421 श्रद्धालु इस योजना के माध्यम से श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं। धार्मिक यात्रा कर लौटे श्रद्धालुओं ने योजना की मुक्त कंठ से सराहना की। कवर्धा निवासी श्री विजय कुमार यादव ने कहा कि हमने वर्षों तक अयोध्या जाकर भगवान श्रीराम के दर्शन करने का सपना देखा था। मुख्यमंत्री श्री साय ने इसे साकार कर दिया। यात्रा के दौरान हमें ऐसा अनुभव हुआ, मानो हम अपने घर में ही हों। भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की गई थी।

धार्मिक पर्यटन को मिला बढ़ावा- रामलला दर्शन योजना न केवल श्रद्धालुओं के धार्मिक विश्वास को सशक्त कर रही है, बल्कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को भी नई ऊर्जा दे रही है। इस योजना के माध्यम से न केवल धार्मिक स्थलों के प्रति श्रद्धालुओं का आकर्षण बढ़ा है, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता को भी मजबूती मिली है।

श्रद्धा से विकास तक, छत्तीसगढ़ सरकार का विजन- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का यह प्रयास धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रदेशवासियों के सपनों को साकार करने का एक सशक्त कदम है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान हर प्रकार की सुविधा मिले और वे अपनी यात्रा को सुखद और यादगार बना सकें। योजना का प्रभाव केवल धार्मिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने प्रदेश में सामाजिक और सांस्कृतिक समरसता को नई मजबूती दी है। यह पहल छत्तीसगढ़ की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी सहायक बन रही है।

महामंत्री अनिल चंद्राकर बने भाजपा के नए जिला अध्यक्ष, चुनाव अधिकारी ने श्रीचंद सुंदरानी ने पार्टी कार्यालय में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के बीच की घोषणा

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद भाजपा संगठन को नया जिला अध्यक्ष मिल गया हैं,महामंत्री अनिल चंद्राकर भाजपा के नए जिला अध्यक्ष निर्वाचित हुए है।सोमवार को जिला भाजपा कार्यालय में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के बीच चुनाव अधिकारी ने श्रीचंद सुंदरानी ने जिला अध्यक्ष के नाम की घोषणा की।सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओ ने ताली बजाकर उनका स्वागत किया।इस अवसर पर चुनाव प्रभारी श्रीचंद सुंदरानी ने कहा कि प्रदेश ने तय किया था चुनाव आम सहमति और राय शुमारी से संपन्न हो। 21 दावेदार के नाम आए थे जिसमें सभी प्रमुख पदाधिकारी से चर्चा कर पांच नामों का पैनल जिले से राजधानी और फिर दिल्ली भेजा।जहां से एक नाम राय होकर आया है। जिसकी आज घोषणा की गई।इस दौरान उन्होंने कहा की पार्टी ने बीते एक साल अच्छा काम किया है। विधानसभा और लोकसभा में जीत मिली।अब निकाय चुनाव में भी अच्छा प्रदर्शन करना है।इसके पहले पार्टी के निवर्तमान जिला अध्यक्ष राजेश साहू ने कहा कि मेरा सौभाग्य रहा कि पार्टी ने मुझे पांच साल के लिए सेवा का अवसर दिया। मैंने पूरे निष्ठा और कर्तव्य के साथ पार्टी संगठन के लिए कार्य किया।बीते पांच साल में पार्टी कार्यक्रमों में मिले सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।उन्होंने कहा कि मैने सभी साथ लेकर चलने का प्रयास किया और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी हर मोर्चे में साथ दिया।प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व से मिले निर्देश और कार्यक्रमों को जमीन स्तर तक पहुंचाने में हर संभव प्रयास किया।उन्होंने कहा की काम करने वाले योग्य कार्यकर्ताओं को सम्मान देने की कोशिश की है।आगे भी पार्टी स्थान दे ऐसी कामना करता हूं।

उल्लेखनीय है की इसके पहले श्री चंद्राकर दो बार लगातार पार्टी के जिला उपाध्यक्ष भी रह चुके है।करीब 20 वर्ष से अधिक समय से पार्टी के विभिन्न दायित्वों का सकुशलता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ निर्वहन करते आ रहे है।इस दौरान प्रमुख रूप से राजिम विधायक रोहित साहू,जिला संगठन प्रभारी किशोर महानंद,पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन सिंह मांझी,पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय पूर्व विधायक डमरुधर पुजारी,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संदीप शर्मा,जिला उपाध्यक्ष कुंजबिहारी बेहरा,सहित मंच एवम् कार्यालय में उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हे बधाई दी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 11 पी.व्ही.टी.जी परिवारों को सौंपीं आवास की चाबियां

महासमुंद। विशेष पिछड़ी जनजातियों के लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज महासमुंद प्रवास के दौरान केन्द्र सरकार की विशेष योजना 'पीएम जनमन' के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों (पी.व्ही.टी.जी.) के 11 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गृह प्रवेश की चाबियां सौंपी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए आवास निर्माण उनकी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह पहल उनके जीवनस्तर में सुधार, सुरक्षित आवास, और सामाजिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करती है, जिससे वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें और बेहतर भविष्य की ओर बढ़ सकें। कार्यक्रम में उन्होंने

महासमुंद विकासखंड के 5 और बागबाहरा विकासखंड के 6 पी.व्ही.टी.जी. परिवारों को लाभान्वित किया गया। जिसमें महासमुंद विकासखंड से श्रीमती कुमारी, ग्राम पंचायत मोंगरा,श्रीमती श्यामा कमार, ग्राम पंचायत मोंगरा,श्रीमती शांति बाई, ग्राम पंचायत मोंगरा,श्रीमती बुधियारिन कमार, ग्राम पंचायत लगराखुर्द,श्री काशीराम कमार, ग्राम पंचायत मामाभांचा शामिल है इसी प्रकार से बागबाहरा विकासखंड से लाभान्वित परिवार हैं जिसमें श्रीमती सुशीला बाई कमार, ग्राम पंचायत धरमपुरा,श्रीमती गनेशिया कमार, ग्राम पंचायत धरमपुरा ,श्रीमती मेहतरीन बाई कमार, ग्राम पंचायत धरमपुरा,श्रीमती सरस्वती, ग्राम पंचायत मोहदी,श्रीमती आसवती, ग्राम पंचायत मोहदी काशीराम कमार शामिल है।कार्यक्रम में लाभान्वित परिवारों ने मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। यह योजना न केवल आवास प्रदान करती है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समावेशन को भी प्रोत्साहित करती है।

यातायात पुलिस ने पांच ओवरलोड गाड़ियों से सवा दो लाख रुपए जुर्माना वसूली

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले की यातायात पुलिस की टीम ने 35वें सड़क सुरक्षा माह में विशेष अभियान चलाते हुए पांच ओवरलोड गाड़ियों से 2 लाख 21 हजार 649 रुपए का जुर्माना वसूली है। इसमें एक गाड़ी पर ई-चालान के माध्यम से 35, 300 रुपए जुर्माना लगाया गया है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल व पंकज पटेल के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस ने डीएसपी कृष्ण कुमार चंद्राकर के नेतृत्व में यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो की टीम ने विशेष अभियान चलाते हुए अभी तक पाँच ओवरलोड गाड़ियों पर कार्रवाई की। इस अभियान के दौरान कुल 2,21,649 रूपए का जुर्माना वसूला गया है। इसमें एक गाड़ी पर ई-चालान के माध्यम से 35,300 रूपए का जुर्माना लगाया गया। डीएसपी श्री चंद्राकर ने बताया कि ओवरलोड गाड़ियां न केवल सड़कों की संरचना को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि दुर्घटनाओं का जोखिम भी बढ़ाती हैं। यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक श्री खलखो की टीम ने इस कार्रवाई के दौरान पाँच ओवरलोड गाड़ियों पर जुर्माना लगाया। पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। ओवरलोड गाड़ियों के खिलाफ इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर यातायात को सुरक्षित बनाना और दुर्घटनाओं को रोकना है। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं, और यह अभियान जिले में निरंतर जारी रहेगा। यातायात पुलिस ने इस अभियान में तकनीकी साधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए ई-चालान प्रणाली के माध्यम से जुर्माना वसूलने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और त्वरित बनाया है। यह प्रयास जनसुरक्षा सुनिश्चित करने और सड़क सुरक्षा नियमों को लागू करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। पुलिस प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सड़कों को सुरक्षित बनाने में सहयोग करें। इस प्रकार के अभियान का उद्देश्य समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं को रोकना है।

भोरमदेव कॉरिडोर और चंपारण्य विकास परियोजनाएं सहित छत्तीसगढ़ पर्यटन को मिलेगी नई पहचान-विजय शर्मा

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्वदेश दर्शन 2.0 में दो बड़ी योजनाओं के प्रस्ताव केंद्र को सौंपे गए

कवर्धा (समय दर्शन)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। इस अवसर पर पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव और छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य उपस्थित रहे। इस महत्वपूर्ण बैठक में उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने छत्तीसगढ़ राज्य में पर्यटन विकास से जुड़ी दो बड़ी योजनाओं के प्रस्ताव केंद्रीय मंत्री को सौंपे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत महाप्रभु वल्लभाचार्य यज्ञ कुंड परिसर, चंपारण्य के सौंदर्यीकरण और भोरमदेव कॉरिडोर, जिला कबीरधाम की परियोजनाओं के प्रस्ताव केंद्र को प्रस्तुत किए गए। इन दोनों परियोजनाओं पर कुल 200 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव है।

महाप्रभु वल्लभाचार्य यज्ञ कुंड परिसर, चंपारण्य परियोजना के अंतर्गत, परिसर का संपूर्ण सौंदर्यीकरण, भव्य प्रवेश द्वार, तालाब का ब्यूटीफिकेशन, पार्किंग एरिया,

महाप्रभु वल्लभाचार्य की भव्य प्रतिमा, म्यूजियम, कन्वेंशन सेंटर, भागवत कथा एवं प्रवचन हॉल, बच्चों के लिए गार्डन, कैफेटेरिया, सड़क निर्माण, लैंडस्कैपिंग, सोवेनियर शॉप, पेयजल और पब्लिक टॉयलेट जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास का प्रस्ताव है। वहीं, भोरमदेव कॉरिडोर परियोजना के तहत ऐतिहासिक भोरमदेव मंदिर परिसर का विकास और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। परियोजना में पर्यटक सूचना केंद्र, शिव प्लाजा, झील और सरोधा डैम का सौंदर्यीकरण, बच्चों के लिए पार्क, गेस्ट हाउस, लाइब्रेरी, म्यूजियम, भंडारा भवन, मेला ग्राउंड, प्रवेश द्वार और पार्किंग निर्माण शामिल है। इसके अतिरिक्त, छेरकी महल, मड़वा महल और रामचुवा मंदिर का सौंदर्यीकरण तथा जल क्रीड़ा के लिए घाट निर्माण का भी प्रस्ताव रखा गया है।

बैठक के दौरान केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री शेखावत ने इन योजनाओं की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार को इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित कर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत है। इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ पर्यटन को एक नई गति और दिशा मिलेगी। भोरमदेव कॉरिडोर और चंपारण्य परियोजनाएं न केवल राज्य की ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित करेंगी, बल्कि पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक विकास के नए अवसर भी पैदा करेंगी।

आजादी के 77 साल बाद ग्राम भैंसामुड़ा में पहुंची बिजली, ग्रामीणों में हर्ष का महौल

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद विकासखंड के वन क्षेत्र में स्थित ग्राम पंचायत कामेपुर के आश्रित ग्राम भैंसामुड़ा में परम्परागत तरीके से बिजली पहुँचाई गई।आजादी के 77 साल बाद ग्राम भैंसामुड़ा में बिजली से रौशन होने पर लोगों में खुशी का वातावरण बना हुआ है।ग्राम भैंसामुड़ा के सभी परिवार आज के परिवेश में इस अति-आवश्यक सुविधा बिजली को पाकर बहुत हर्ष हैं।पूर्व में यह ग्राम सौर ऊर्जा से विद्युतीकृत था।ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि लगातार परंपरागत बिजली की मांग करते रहे और प्रयासरत रहे।अब उनकी मांग पूरी होने पर ग्रामवासी छत्तीसगढ़ शासन एवं विद्युत वितरण कंपनी के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं।प्रधानमंत्री

जनमन योजना अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों के लोगों को लाभान्वित करने के उद्देश्य को परिपूर्ण करते हुये ग्राम भैंसामुड़ा का सर्वे कराकर विद्युत कनेक्शन प्रदान करते हुये बिजली पहुँचाई गई।भैंसामुड़ा में 1 नग 25 केव्हीए ट्रांसफार्मर स्थापित कर,0.874 किमी.11 केव्ही लाईन विस्तार व 0.62 किमी.एलटी केव्ही लाईन विस्तार करते हुये 24 घरों को परंपरागत बिजली से रौशन किया गया है। ग्रामीणजन अब बरसात के दिनों में जंगली जानवरों, सांप-बिच्छुओं के डर के मामले में बेफिक्र महसूस कर रहे हैं।ग्रामीणजनों का कहना है कि छत्तीसगढ़ शासन ने उन्हें बहुत बड़ी सुविधा प्रदान की है। बिजली की जगमग रौशनी से दैनिक कार्यों को करने में काफी आसानी होगी और कई प्रकार की परेशानियों से राहत मिलेगी तथा विभिन्न धार्मिक व सामाजिक आयोजनों में बहुत ही सुविधा प्राप्त होगी।

प्रशासक ने किया पदभार ग्रहण

अहिवारा। नगर पालिका परिषद अहिवारा का कार्यकाल 5 जनवरी को समाप्त होने के पश्चात 6 जनवरी को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भिलाई 3 महेश सिंह राजपूतद्वारा प्रशासक के रूप में कार्य भार ग्रहण किया गया शासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नगरीय निकायों के कार्यकाल 5 वर्ष पूर्ण होने के कारण प्रशासक नियुक्त किया गया है फ्लस्वरुप नगर निगमों में कलेक्टर नगर पालिकाओं में एसडीएम व पंचायतों में तहसीलदार प्रशासक होंगे । अब आगे के कामकाज निकायों के लिए नियुक्त प्रशासक करेंगे राज्य शासन के आदेश अनुसार नगर पालिका परिषद अहिवारा में आज अनुविभागीय राजस्व अधिकारी भिलाई-3 महेश सिंह राजपूत द्वारा प्रशासक के रूप में कार्य भार ग्रहण किया गया

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, MAMTA SURANA D/O BHIKAM CHAND JAIN Age 55 years resident of H.NO.4-A MALVIYA NAGAR, DURG PIN: 491001, CHHATTISGARH, INDIA state that in my passport number. M0899585 my father name is mentioned as BHIKAM CHAND and in my PAN card number - AUAPS8156K my father name is mention as BHIKAM CHAND JAIN both the name of my father or a same person which is my father name and my father real name is BHIKAM CHAND JAIN, so in future I should be recognised by my new name that is MAMTA SURANA D/o BHIKAM CHAND JAIN .

MAMTA SURANA
D/O BHIKAM CHAND JAIN
H.NO.4-A MALVIYA NAGAR,
DURG PIN: 491001,
CHHATTISGARH, INDIA

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, जिला दुर्ग

रा.प्र.क्र. / ऑनलाईन रजि.नं.	पक्षकार का नाम
202412100400455/अ-2/2024-25	मिर्जा कमरूद्दीन बेग

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मिर्जा कमरूद्दीन बेग आ. मोईनउद्दीन बेग निवासी- केलाबाड़ी दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन / पुर्ननिर्धारण हेतु छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2) (5) के तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है ।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं. जहां आवेदित भूमि स्थित है	खसरा नम्बर	रकबा (क्षेत्रफल)	प्रयोजन
ग्राम- कोहका प.ह.नं. 45 तहसील व जिला दुर्ग	1905/15	0.0400 हे.	**व्यवसायिक प्रयोजनार्थ**

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति- दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 30/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला दुर्ग

संक्षिप्त-खबर

अरसनारा के तेजस साहू का चयन राज्य स्तरीय युवा उत्सव में

पाटन। पाटन विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अरसनारा निवासी तेजस कुमार साहू का चयन राज्य स्तरीय युवा उत्सव चित्रकला के लिए हुआ है। यह आयोजन 12 जनवरी से रायपुर में आयोजित हैं। तेजस साहू वर्तमान में शारदा विद्यालय रिसाली भिलाई के छात्र है। तेजस का चयन राज्य स्तरीय युवा उत्सव में होने पर सांसद विजय बघेल, जिला पंचायत सदस्य हर्षा लोकमनी चंद्राकर, मध्य पाटन मंडल अध्यक्ष रानी बंछोर, सेलूद सरपंच खेमिन साहू,पोखन लाल साहू जयंत वर्मा, संतोष यादव, बलराम साहू, संजय निषाद, भगवती प्रसाद बनपेला, नंदनी यदु, रामेश्वरी यादव, संतोष सोनी, जी प्रताप,शशांक झोलदेव, लव कुमार, शकीला देवदास, प्रीतिमा साहू,प्रदीप भुवाल, स्कूल स्टॉप एवं ग्रामीणों ने बधाई प्रेषित किया है।

नगर पंचायत पाटन का परिषद भंग, अब प्रशासक संभालेंगे कामकाज, तहसीलदार पाटन मीना साहू ने लिया प्रशासक का प्रभार

पाटन। नगर पंचायत पाटन के चुने हुए जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त हो गया है। अब यहां पर प्रशासक कार्यभाल संभालेंगे। राज्य सरकार के नगर पंचायत पाटन के प्रशासक के रूप में पाटन तहसीलदार श्रीमती मीना साहू को नियुक्त किया है। सोमवार को तहसीलदार श्रीमती साहू ने प्रशासक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस दौरान सीएमओ हेमंत वर्मा, सहित नगर पंचायत के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

उषा बारले के आमंत्रण पर पोती-पोते को आर्शीवाद देने आए राज्यपाल

दुर्ग। छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध पंडवानी गायिका और पद्मश्री सम्मानित कलाकार श्रीमती उषा बारले के आमंत्रण पर राज्यपाल रमेन डेका उनके घर पंहुचे। राज्यपाल श्री डेका श्रीमती उषा बारले के पोती-पोते, नियती और मोक्ष के जन्मदिन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उषा बारले ने जन्मदिन में शामिल होने के लिए राज्यपाल श्री डेका का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के आशीर्वाद से बच्चों का जन्मदिन और भी खास बन गया है। यह आयोजन श्रीमती बारले के परिवार के लिए न केवल एक खुशी का अवसर था, बल्कि राज्यपाल के साथ उनके संबंधों और कला के प्रति उनके समर्पण का प्रतीक भी बना।

भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता ऐतराम साहू के जिलाध्यक्ष बनने पर बसना विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल ने दी बधाई

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में लगातार दूसरे दिन भाजपा जिला अध्यक्षों की नियुक्ति जारी है। आज भी कई जिला अध्यक्षों के नामों का ऐलान किया गया है। रविवार को 15 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई थी। वहीं आज महासमुंद जिला अध्यक्ष की भी घोषणा कर दी गई है। भाजपा के वरिष्ठ व कर्मठ नेता एतराम साहू को महासमुंद जिला अध्यक्ष बनाया गया है। भाजपा कार्यालय में प्रदेश महामंत्री रामू रोहरा ने सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, बसना विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल, महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा सहित भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में नाम की घोषणा की। बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने एतराम साहू को भाजपा जिला अध्यक्ष घोषित होने पर फुलमाला पहनाकर बधाई दी व सफल कार्यकाल की अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित किये। इस दौरान जिला एवं सभी मंडल के पदाधिकारियों के अलावा जिले के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे।

अहिवारा में हुई जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी की बैठक

होमन सिंह ठाकुर

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। कल वार्ड न. 8 मे जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी और छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में लोगो को जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी क्यों बनाई गई,पार्टी की विचार धारा और पार्टी का क्या उद्देश्य हे बताया गया। पार्टी ने लोगो को जागरुक किया और चुनाव के समय अन्य पार्टियों के द्वार बांटे जाने वाले सामान और उनके झूठे वादों से दूर रहने और सतर्क रहने को कहा। छेत्र और छेत्र के लोगो के विकास के लिये और भाजपा-कांग्रेस के द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए राजनीति में तीसरा विकल्प जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी को ज्यादा से ज्यादा समर्थन देने की आम जनता से अपील की। लोगो ने इस बात पर सहमति दी और आगामी नगर पालिका चुनाव मे जोरदार समर्थन के साथ ही ज्यादा से ज्यादा लोगो को पार्षद जीताकर नगर पालिका भेजने की बात कही। बैठक मे वार्ड के बुजुर्ग,युवा और खासकर महिला शक्ति का पुरा सहयोग मिला। बैठक के अन्त में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के द्वारा वार्ड न.8 से पार्षद प्रत्यासी के रूप में श्रीमती पिंकी साहू के नाम की घोषणा भी की गई।

इस बैठक में कौशल साहू (जिला उपाध्यक्ष) जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी दुरुग ग्रामीण,धर्मेंद्र साहू (जिला उपाध्यक्ष) छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना भिलाई नगर, परमेश्वर ठाकुर (संरक्षक) छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर, माधव साहू(संयोजक) छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर,आशुतोष साहू (अध्यक्ष) छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर,योगेश वर्मा (महामंत्री) छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर,महेंद्र धुर्वे,घनस्याम साहू (सह सचिव) छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर, संतोष साहू,छोटू यादव, विनोद सिन्हा सतीश विश्वकर्मा एवं अन्य सेनानि और महिला सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शुभारंभ

- जांजगीर-चांपा के खेल प्रेमियों को नये साल में मिली स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की सौगात

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। नववर्ष में जांजगीर-चांपा जिला मुख्यालय अब उन बड़े शहरों में शामिल हो गया है, जहां खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की अतिआधुनिक सुविधा उपलब्ध है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज जांजगीर-चांपा जिले के खेल प्रेमियों को नये साल में खोखरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शुभारंभ कर बड़ी सौगात दी है।

जिला मुख्यालय जांजगीर-चांपा में निर्मित इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में क्रिकेट, फुटबॉल, रनिंग ट्रैक, स्केटिंग, बास्केटबॉल, बॉलीबॉल, बैडमिंटन, लॉन टेनिस जैसे कई खेलों का आनंद लिया जा सकता है। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खिलाड़ियों के लिए कई अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। यहां बॉक्स क्रिकेट की सुविधा के साथ ही फुटबाल ग्राऊंड के लिए स्पेशल घास का मैदान तैयार किया गया है। इसके अलावा एथलेटिक प्रतियोगिताओं के लिए शानदार रनिंग ट्रैक भी तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण से अंचल के खिलाड़ियों को न केवल अपनी खेल प्रतिभा को संवारने का अवसर मिलेगा, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का मौका भी मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पहुंचने पर खिलाड़ियों ने उन्हें ग्रीटिंग कार्ड और गुलाब का फूल भेंट कर नए वर्ष की शुभकामनाएं दी और खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों को नई सुविधा देने के लिए उनका आभार जताया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खिलाड़ियों के आग्रह पर बल्लेबाजी कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय जांजगीर के छात्र प्रसिद्ध शर्मा ने मुख्यमंत्री को अपने हाथों से बनाया गया उनका चित्र भी भेंट किया। स्पोर्ट्स स्टेडियम के शुभारंभ अवसर पर सांसद लोकसभा क्षेत्र जांजगीर चांपा श्रीमती कमलेश जांगड़े, पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व विधायक सौरभ सिंह, पूर्व विधायक अंबेश जांगड़े, पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू, कमिश्नर महादेव कावरे, आईजी संजीव शुक्ला, कलेक्टर आकाश छिकारा, एसपी विवेक शुक्ला, सहायक कलेक्टर दुर्गा प्रसाद अधिकारी सहित बड़ी संख्या में जिले के खिलाड़ी उपस्थित थे।

गांव के बुजुर्ग खेदूराम वर्मा को रामधुनि के साथ दी गई भावपूर्ण विदाई

बेमेतरा (समय दर्शन)। बरगा गांव ने मानवता और आपसी एकता की मिसाल पेश करते हुए गांव के बुजुर्ग खेदूराम वर्मा को भावपूर्ण अंतिम विदाई दी। खेदूराम वर्मा का निधन सोमवार को हुआ। उनके परिवार में कोई घनिष्ठ सदस्य न होने के कारण गांव के नागरिकों ने सामूहिक रूप से उनकी अंतिम यात्रा की पूरी जिम्मेदारी उठाई। गांववासियों ने खेदूराम वर्मा की अंतिम यात्रा में एक साथ ढोलक मंजीरा के साथ रामधुनि गाते हुए उन्हें गांव के मुक्तिधाम तक पहुंचाया। इस हृदयस्पर्शी दृश्य ने यह स्पष्ट किया कि इंसानियत के रिश्ते खून के रिश्तों से भी बढ़कर होते हैं।स्व. वर्मा की अंतिम विदाई के दौरान उपस्थित ग्रामीणों की आंखें नम थीं, लेकिन उनके चेहरे पर संतोष झलक रहा था कि उन्होंने अपने बुजुर्ग को सम्मानपूर्वक विदा किया। इस दौरान खेमसिंह वर्मा, सरपंच प्रतिनिधि बल्लू नोहर पाल, ग्राम पटेल राजकुमार साहू, पंचगण प्रताप साहू, कमलेश साहू, लालराम साहू, मनहरण वर्मा , शिवकुमार साहू ग्रामीण ईश्वर गंधर्व (कोटवार) गंगदेव साहू, दादु साहू, अजय पटेल, रामजी, पुनाराम, डॉ टीकेन्द्र साहू, कुमार साहू, डॉ घनश्याम साहू, ओमप्रकाश साहू, दिनेश वर्मा डॉ कांशीराम साहू सम्मिलित रहे।

श्रमिक हितों के लिए विविध मांगों को लेकर खदान मजदूर संघ द्वारा सीजीएम को दिया गया ज्ञापन

किरंदुल (समय दर्शन)। राष्ट्र हित, उद्योग हित, मजदूर हित के आदर्श पर चलने वाली विश्व की सबसे बड़ी श्रमिक संगठन भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध किरंदुल शाखा की खदान मजदूर संघ द्वारा श्रमिकों की ज्वलंत समस्याओं का निराकरण करने, ठेका श्रमिकों के मूलभूत सुविधाओं में उन्नयन आदि मांगो को लेकर एनएमडीसी लिमिटेड किरंदुल कॉम्प्लेक्स के मुख्य महाप्रबंधक संजीव साही को कॉन्ट्रैक्ट लेबर रेगुलेशन एंड अबोलिशन एक्ट 1970 का उल्लंघन न करते हुए प्रवीणता के आधार पर उन्हें अन्य सुविधाएं प्रदान करने हेतु 30 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया तथा वर्तमान में श्रमिकों का जो ज्वलंत समस्या है जैसे वेतन पुनरीक्षण, मकान आबंटन इस पर सविस्तार चर्चा किया गया तथा नवनिर्मित बहुमंजिला टाईप श्री के आबंटन हेतु बनाये गए नियमों में त्रुटियों की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए पत्र सौंपा गया। श्रम संघों के संचालन के संदर्भ में इस्पात मंत्रालय, केंद्रीय श्रमायुक्त से हुए पत्राचार एवं अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक के साथ हुये संवाद के संदर्भ में अत्यावश्यक परिचर्चा की गई। इस अवसर पर खदान मजदूर संघ (सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ) शाखा किरंदुल के अध्यक्ष बी. दिल्ली राव, सचिव महेन्द्र कुमार, राजेंद्र यादव, बसंत जांगड़े, नरेंद्र साहू उपस्थित थे।

समाज का सजक प्रहरी बना पत्रकार, अब सुरक्षित नहीं रहा

शत्रुघ्न लाल

भाटापारा। पत्रकारों के हितों के लिए पत्रकार सुरक्षा कानून जल्द से जल्द लागू कर दिया जाना चाहिए । आए दिन प्रदेश सहित पूरे देश में पत्रकारों के साथ बदसलूकी , मारपीट यहां तक की उसकी निर्मम हत्या कर दी जा रही है । सरकार चाहे जिसकी हो लेकिन सच्चाई की आवाज उठाने वाले कि यदि खुद की ही सुरक्षा न हो तो लोगों की हित के लिए क्या लड़ाई लड़ेगा।

उक्त कथन ग्लोबल जर्नलिस्ट एंड मीडिया संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश महासचिव सत्यनारायण (सत्तू) पटेल ने बहुत ही दुखित मन से कहा। आगे उन्होंने कहा पत्रकारों का भविष्य अंधकार में है एवं पूरे देश में राजनीति हावी है । एक राजनेता जिसे दुनिया भर की सुरक्षा दिया जाता है लेकिन सच्चाई की आवाज उठाने वाले , देश के हित में काम करने वाले , छोटी-छोटी मुद्दाओं को छोटे-छोटे लोगों तक पहुंचाने वाले निस्वार्थ रूप से बिना वेतन के अपना फर्ज निभाने वाले एक पत्रकार को देश में किसी भी प्रकार का ना कोई सुरक्षा है और ना ही उसका भविष्य को संवारने वाला ऐसी कोई सरकारी योजना सरकार के पास है । बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर अब हमारे बीच नहीं रहे , पर उनका परिवार इस दुनिया में है । क्या सरकार उसकी परवरिश की जवाबदारी ले पाएगी ? इसी बीच एक खबर और आ रही है प्रदेश की राजधानी रायपुर प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष को भी एक वन विभाग के अधिकारी द्वारा जान से मारने की 8 से 10 बार धमकी दी गई है ।प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो चुकी है और प्रदेश के नेता गण अपने आप में मस्त है ।हमारे संगठन ग्लोबल जर्नलिस्ट एंड मीडिया संघ छत्तीसगढ़ की तरफसे उक्त कृतियों का घोर निंदा करती है , एवं राज्य में कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग करती है,ताकि आम जनता सुरक्षा की सांस ले सके । वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र गिनौर ने भी अपना विचार साझा करते हुए कहा की समाज की विसंगतियों को सामने लाने की पत्रकारों ने जब-जब कोशिश की तब-तब उन्हें प्रताड़ित किया गया उनके खिलाफझूठे मुकदमे दर्ज किए गए। पत्रकारों की निर्मम हत्या भी होती रही। बस्तर क्षेत्र के पत्रकार दोहरे संघर्ष से जूझते काम कर रहें हैं। बीजापुर के पत्रकार मुकेश चन्द्राकर की निर्मम हत्या में ऐसे लोग शामिल लगते हैं जो समाज में खुलेआम हरकतें कर रहें हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही है। मैं बीजापुर के पत्रकार मुकेश चन्द्राकर की हत्या की कड़े शब्दों में निन्दा करता हूं और सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहता हूं कि पत्रकार की निर्मम हत्या करने वालों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई करते हुए उनके खिलाफजांच करें ।साथ ही पत्रकार के परिवार को समुचित मुआवजा की घोषणा करें।

पिथौरा जनपद मे विदाई समारोह का आयोजन

पिथौरा(समय दर्शन)। विगत महिनों में सेवानिवृत्त हुए अधिकारी- कर्मचारियों का विदाई समारोह आयोजित कर सम्मान कर विदाई दी गई।

इस अवसर पर अधिवर्षिकी आयु पूर्ण कर चुके कर्मचारियों ने अपने शासकीय जीवन के संस्मरणों को साझा किया, वहीं जनपद परिवार की ओर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

हाल के दिनों में जनपद पंचायत पिथौरा से चार कर्मचारियों की अधिवर्षिकी पूर्ण हुई तथा वे सेवानिवृत्त हुए। जनपद पंचायत के लेखापाल राजकुमार पटेल, सहायक ग्रेड 02 एम एल गजेंद्र, करारोपण अधिकारी, कोमल साह तथा पंचायत सचिव सूपचंद बरिद्रा की सेवानिवृत्ति पर जनपद के अधिकारी कर्मचारियों की ओर से उन्हें भव्य विदाई दी गई। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए जनपद सीईओ चंद्रप्रकाश मनहर ने कहा कि, किसी भी शासकीय सेवक के लिए अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने के उपरांत सेवानिवृत्ति एक अनिवार्य प्रक्रिया है । तथापि एक कर्मचारी अपनी कार्यकुशलता एवं व्यवहारशीलता के कारण लंबे समय तक याद किए जाते हैं। हमारे कार्यलय से सेवानिवृत्त सभी कर्मचारी किसी न किसी क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ कर जा रहे हैं, मैं इनके स्वस्थ जीवन और उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

विकास अधिकारी डी एल बरिहा ने स्वागत भाषण देते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों के व्यक्तित्व और उनकी कर्तव्य परायणता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को दिनेश दीक्षित, पुनीत सिन्हा, आर के पटेल, एम एल गजेंद्र, कोमल साहू और सूपचंद बरिहा ने भी संबोधित किया।

जनपद परिवार की ओर से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल और श्रीफल तथा अन्य उपहार सामग्री भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन उमेश दीक्षित एवं आभार प्रदर्शन सुशील चौधरी ने किया। कार्यक्रम में पंचायत निरीक्षक गुलाब सामल, सुभाष प्रधान, बसंती चौहान, ममता देवांगन, लोकेश नवरंगे, यशवंत ध्रुव, पुनीत सिन्हा, मुरलीधर साव, अनिल दुबे, कृष्ण कुमार चौहान, विश्राम निषाद, श्याम पटेल, हीरामणि यादव, हरिहर यदु, विनय गार्डिया, सुशीला पटेल, हेमलता साहू, रमोला ठाकुर, अक्षय प्रधान, लंबोदर प्रधान, संजय निषाद, विजय निषाद, ज्योति सेन, गीतांजली सोनी, शाहनाज खान, किशोर यादव, सूरज यादव, महेश ध्रुव सहित जनपद के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24